भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 255 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज | गुरूवार 09 सितम्बर 2021 | विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

स्थायी सुख, शान्ति व निर्भय वातावरण के लिए ''क्रियायोग अभ्यास करें'' सत्य की अनुभूति में सभी प्रकार के क्लेश हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध कर दिया है कि क्रियायोग के द्वारा हम सत्य से जुड़ जाते हैं। ज्ञान, शक्ति, शान्ति, आनन्द, नाम-यश, धन आदि के लिए मनुष्य को दर-दर भटकना पड़ता है, और प्राप्त न होने पर मनुष्य में हिंसक प्रवृत्ति प्रकट होती है। क्रियायोग में भक्ति दृढ़ होने पर ज्ञान, शक्ति, शान्ति,आनन्द, धन आदि सब कुछ स्वयं मनुष्य के पास आ जाते हैं।

क्रियायोग प्राचीनतम् एवं नित्य नवीन पूर्ण विज्ञान है। ईश्वरीय नियमों के अनुसार कलिकाल में क्रियायोग का ज्ञान विलुप्त हो गया। आरोही द्वापर युग के आते ही मृत्युंजय अमर गुरु श्री महावतार बाबा जी द्वारा क्रियायोग को पुनर्जीवित कर पुनः परिष्कृत किया गया। उन्नीसवीं शताब्दी में महावतार बाबाजी ने क्रियायोग को लाहिड़ी महाशय जी के माध्यम से मानवजाति को दिया। क्रियायोग ही सनातन धर्म में वर्णित यज्ञ है। क्रियायोग ही वेदपाठ है। क्रियायोग अभ्यास से मनुष्य को अपने वास्तविक स्वरूप ''अहंब्रह्मास्मि'' की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

स्वामी श्री योगी सत्यम्
क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान
प्रयागराज
10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

डोर-टू-डोर वैक्सीनेशन का आदेश देने से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में चल रहे कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने घर-घर जाकर टीकाकरण को लेकर आदेश देने से इनकार कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि देश की विविध स्थितियों को देखते हुए घर-घर जाकर कोरोना का टीकाकरण करना संभव नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिलहाल टीकाकरण सही तरीके से चल रहा है, ऐसे में हम मौजूदा टीकाकरण नीति को खत्म करने के लिए अलग से एक सामान्य आदेश पारित नहीं कर सकते। सुप्रीम कोर्ट ने विकलांगों और समाज के कमजोर वर्गों के लोगों के लिए डोर-टू-डोर कोरोना वैक्सीन की मांग करने वाले वकीलों के निकाय की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस हेमा

कोहली की पीठ ने कहा कि टीकाकरण अभियान उचित प्रगति पर है और 60 प्रतिशत से अधिक आबादी को वैक्सीन की पहली खुराक दी जा चुकी है। पीठ ने याचिकाकर्ता 'यूथ बार एसोसिएशन' को अपने सुझावों के साथ स्वास्थ्य मंत्रालय में सक्षम प्राधिकारी से संपर्क करने को कहा।

पीठ ने कहा कि लद्दाख में स्थिति केरल से अलग है। उत्तर प्रदेश में स्थिति किसी भी अन्य राज्य से अलग है। शहरी क्षेत्रों में स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों से अलग है। इस विशाल देश में हर राज्य में विभिन्न प्रकार की समस्याएं हैं। ऐसे में आप पूरे देश के लिए एक आदेश चाहते हैं। टीकाकरण अभियान पहले से ही चल रहा है और 60 प्रतिशत से अधिक आबादी को पहली खुराक दी गई है। इस कठिनाई को समझना चाहिए। यह सरकार का मामला है और हम मौजूदा नीति को खत्म नहीं कर सकते।

शीर्ष अदालत ने एसोसिएशन की ओर से पेश हुए वकील बेबी सिंह से कहा कि इतने संवेदनहीन तरीके से याचिका दायर नहीं की जा सकती। याचिका में भारत सरकार और सभी राज्यों को समाज के कमजोर तबकों, विकलांग लोगों के लिए घर-घर जाकर कोविड-19 रोधी टीके लगाए जाने की व्यवस्था करने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया था, क्योंकि इन लोगों को कोविन पोर्टल पर खुद को पंजीकृत करने में कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। पीठ ने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम पहले से ही चल रहा है और यह न्यायालय स्वतः संज्ञान लेकर स्थिति की निगरानी कर रही है। पीठ ने कहा कि देश की विविधता को देखते हुए सामान्य दिशा-निर्देश पारित करना संभव और व्यावहारिक नहीं है। पीठ ने कहा, ''किसी भी निर्देश को पारित करने से सरकार की मौजूदा टीकाकरण नीति प्रभावित नहीं होनी चाहिए।

अफगानिस्तान में सिखों और हिंदुओं का क्या होगा? रूसी अधिकारी एनएसए से मीटिंग में भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद भारत की चिंता बढ़ गई है। भारत की चिंता केवल तालिबान को ही लेकर नहीं है, बल्कि अफगानिस्तान नें रह रहे सिख और हिंदुओं का क्या होगा? भारत को भी इसकी चिंता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के एनएसए निकोलाई पेत्रुशेव से मुलाकात के बाद अफगान के सिख और हिंदुओं को लेकर चर्चा की है। इस मुलाकात में कई अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई है। एस जयशंकर ने इस मुलाकत के बाद ट्वीट करते हुए कहा कि रूस के एनएसए निकोलाई पेत्रुशेव से मिलकर खुशी हुई। अफगानिस्तान को लेकर उनसे अहम चर्चा हुई है। रूसी दूतावास के मुताबिक जयशंकर और निकोलोई पेत्रुशेव ने रूस-भारत द्विपक्षीय सहयोग पर खुलकर चर्चा क है। इस दौरान कई तरह की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समस्याओं पर चर्चा हुई है।

फिरोजाबाद और मथुरा के बाद कानपुर में डेंगू का कहर, बुखार से 10 लोगों की मौत

कानपुर (एजेंसी)। फिरोजाबाद और मथुरा के बाद डेंगू ने कानपुर में दस्तक दे दी है। बुंदेलखण्ड व सेंट्रल यूपी के जिलों में बीते 24 घंटे के अंदर डेंगू व बुखार से 10 लोगों की जान चली गई। अब तक यहां 21 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें बड़े से लेकर बच्चे भी शामिल हैं। झांसी में डेंगू के नौ मरीज मिले हैं, जबकि वायरल से एक युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई हैं। वहीं, चित्रकूट में बुधवार को बुखार से तीन और लोग काल के गाल में समा गए। यहां बुखार से अब तक दस से ज्यादा मौतें हो चुकी हैं। महोबा में डेंगू के पहले मरीज की पुष्टि हुई है। वहीं, उरई में अब तक डेंगू के दस केस सामने आ चुके हैं, इनमें से एक व्यक्ति की पहले मौत भी हो चुकी है। फतेहपुर में भी बुधवार को डेंगू से एक किशोर की मौत की पुष्टि हुई है। जिले में दिखाने के बाद परिजन उसे इलाज के लिए कानपुर ले गए थे जहां जान चली गई। यहां हफ्तेभर में बुखार से चार अन्य लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, फर्रुखाबाद में बुखार से दो महिला और एक बच्ची की मौत हो गई। कन्नौज में भी एक की जान चली गई। यहां डेंगू के पांच नए मामले सामने आए और अलग-अलग अस्पतालों में बुखार से पीड़ित 30 मरीज भर्ती कराए गए। कानपुर

देहात में बुखार से एक और युवक की जान चली गई। यहां अब तक बुखार से करीब 21 मौतें हो चुकी हैं। उन्नाव में बुधवार को अकेले जिला अस्पताल में बुखार से पीड़ित पांच मरीज भर्ती हुए, जबकि संदिग्ध पाए जाने पर डेंगू और मलेरिया के 59 नमूने जांच के लिए भेजे गए।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के बाद भारत की चिंता बढ़ गई है। भारत की चिंता केवल तालिबान को ही लेकर नहीं है, बल्कि अफगानिस्तान नें रह रहे सिख और हिंदुओं का क्या होगा? भारत को भी इसकी चिंता है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रूस के एनएसए निकोलाई पेत्रुशेव से मुलाकात के बाद अफगान के सिख और हिंदुओं को लेकर चर्चा की है। इस मुलाकात में कई अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा हुई है। एस जयशंकर ने इस मुलाकत के बाद ट्वीट करते हुए कहा कि रूस के एनएसए निकोलाई पेत्रुशेव से मिलकर खुशी हुई। अफगानिस्तान को लेकर उनसे अहम चर्चा हुई है। रूसी दूतावास के मुताबिक जयशंकर और निकोलोई पेत्रुशेव ने रूस-भारत द्विपक्षीय सहयोग पर खुलकर चर्चा क है। इस दौरान कई तरह की राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समस्याओं पर चर्चा हुई है। रूस से बातचीत के दौरान भारत ने अफगानिस्तान में लश्कर-ए-तैय्यबा और जैश-ए-मुहम्मद की मौजदूगी पर भी चर्चा की।

लखनऊ में महाआंदोलन की तैयारी में बीएड टीईटी-2011 अभ्यर्थी

कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करने के साथ ही 7-12-12 विज्ञापन पर भर्ती करने की कर रहे मांग

हरि ओम प्रकाश

लखनऊ। अपनी मांगों को लेकर लखनऊ के इको गार्डन में आंदोलनरत बीएड,टीईटी- 2011 के अभ्यर्थियों ने बुधवार को धरने के पहले दिन ही भारी संख्या में पहुंचकर सरकार के खिलाफ अपनी आवाज को बुलंद करने का काम किया। धरने में शामिल अभ्यर्थियों ने कमेटी की रिपोर्ट सार्वजनिक करो, बीएड टीईटी-2011 से किया वादा पूरा करो के साथ ही अन्य स्लोगन

लिखी तख्तियों को लेकर अपनी मांगों के प्रति सरकार का ध्यान आकृष्ट कराने की कोशिश की। संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील यादव ने बताया कि प्रदेश का हर साथी अपने अधिकारों के लिए लखनऊ की धरती पर कूंच कर रहा है।

तीन दिवसीय इस धरने में अगर सरकार साकारात्मक रुख नहीं अख्तियार करती है तो बीएड टीईटी- 2011 अभ्यर्थी 10 सितम्बर को लखनऊ की धरती पर महाआंदोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने संगठन के साथियों से अविलंब धरने में शामिल होने की अपील की। वहीं संगठन की प्रदेश पदाधिकारी रुखसाना खान ने महिलाओं को शत प्रतिशत की संख्या में उपस्थित होने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा कि घुट-घुट कर जीने से अच्छा है कि अपने अधिकारों के लिए लड़ा जाए। मौके पर विजय यादव, अखिलेश शंकर, राजीव अवस्थी,मनीष यादव,राजीव श्रीवास्तव, कुंवर पाल सहित हजारों की संख्या में बीएड टीईटी अभ्यर्थी मौजूद रहे।

जय हिंद वीर पथ योजना में 12 शहीदों के घर तक बनाई गई सड़कः केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देश पर जय हिंद वीर पथ योजना में 12 शहीदों के घरों या गांव तक सड़क बनाने का काम पूरा कर लिया गया है। इसके अलावा 11 शहीदों के गांवों तक यह काम चल रहा है। उपमुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि शेष कामों को जल्द पूरा कराया जाए और वहां पर बड़े बोर्ड लगाकर शहीदों का चित्र व उनके जीवन सुकृत्यों को भी लिखा जाए। शहीद कौशल कुमार रावत आगरा कहरई से नगला कली कौलखा मार्ग, शहीद बबलू कुमार आगरा खेतहाबाद रिहावली मार्ग से ओखर पांडेय मार्ग का काम करा दिया गया है। कौशल कुमार पुलवामा आतंकी घटना व बबलू कुमार कानपुर नगर के बिकरू में हुई गोलाबारी में शहीद हुए थे। बिकरू गोलाबारी में शहीद सुल्तान सिंह के झांसी में बालाजी मार्ग से उनके घर तक, मथुरा के शहीद रामवीर के घर से हूलवाना आबादी तक सीसी मार्ग, जयवीर सिंह के अलीगढ़ में बलीपुर मजुपुर मार्ग से शहीद स्मारक तक बनाया जायेगा।

सीएम योगी का ऐलान

यूपी में जल्द होगा नौ नए मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण

लखनऊ (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यूपी सरकार की 'ट्रेस, टेस्ट एण्ड ट्रीट' नीति कोविड संक्रमण को नियंत्रित करने में उपयोगी सिद्ध हुई है। बुधवार को टीम-9 की बैठक में कोविड-19 सहित अन्य बीमारियों को लेकर अधिकारियों संग बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए। कहा कि शीघ्र ही 09 जनपदों में नवनिर्मित मेडिकल कॉलेजों का लोकार्पण किया जाएगा। वहीं 14 जनपदों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना के संबंध में स्वीकृति मिल गई है। सीएम ने इनके शिलान्यास कार्यक्रम की तैयारी के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने फिरोजाबाद, मथुरा, आगरा और कानपुर नगर सहित सभी जिलों में डेंगू तथा अन्य वायरल बीमारियों के नियंत्रण के लिए सभी आवश्यक प्रबंध करने को कहा है। सीएम ने कहा कि कानपुर नगर में चिकित्सकों की विशेष टीम कैंप करे। कहा कि 07 सितंबर से घर-घर सर्वेक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत बुखार व संक्रमण के अन्य लक्षणों के संदिग्ध मरीजों की पहचान की जा रही है। मेडिसिन किट भी वितरित की जा रही है।

पिछले 24 घंटे में राज्य में कोरोना संक्रमण के 16 नए मामले सामने आए हैं। इस अवधि में 28 व्यक्तियों को सफल उपचार के बाद डिस्चार्ज किया गया। अब प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या 214 रह गई है। जनपद अलीगढ़, अमरोहा, अयोध्या, बागपत, बलिया, बलरामपुर, बांदा, बस्ती, बहराइच, भदोही, बिजनौर, चन्दौली, चित्रकूट, देवरिया, एटा, फतेहपुर, गाजीपुर, गोण्डा, हमीरपुर, हापुड़, हाथरस, कासगंज, कौशाम्बी, ललितपुर, महोबा, मुजफ्फरनगर, पीलीभीत, रामपुर, शामली, सिद्धार्थनगर और सोनभद्र में कोविड का एक भी मरीज नहीं है।

थानों व तहसीलों पर सुनवाई के बारे में सीएम योगी आदित्यनाथ ने मांगी रिपोर्ट

लखनऊ (एजेंसी)। आम आदमी की फरियाद को अनसुना करने वाले अधिकारियों के बुरे दिनों की शुरुआत होने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के सभी थानों और तहसीलों पर लंबित शिकायतों का ब्योरा तलब किया है। जिलेवार तैयार हो रही इस रिपोर्ट में थाना और तहसील दिवसों में आईं शिकायतों के आधार पर एक-एक थाने और तहसील की कार्यपद्धति का आकलन होगा। सीएम ने बुधवार को टीम 9 की बैठक में यह निर्देश दिए। रिपोर्ट में जनता-दर्शन और आईजीआरएस पोर्टल पर आई समस्याओं को भी शामिल किया जा रहा है। यह जिला और विभागवार रिपोर्ट फील्ड में तैनात अधिकारियों के प्रदर्शन की गुणवत्ता का मानक बनेगा। खुद मुख्यमंत्री इस बाबत जिलाधिकारियों और पुलिस कप्तानों के साथ समीक्षा करेंगे, जिसके बाद लापरवाह अधिकारियों पर कार्रवाई की जाएगी।बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी की समस्याओं का त्वरित निस्तारण शासन की शीर्ष प्राथमिकता है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने अंकित गुर्जर हत्याकांड की जांच सीबीआई को सौंपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तिहाड़ जेल के भीतर हुई अंकित गुर्जर की हत्या मामले की जांच अब सीबीआई करेगी। हाईकोर्ट ने बुधवार को अंकित की हत्या की जांच सीबीआई को सौंप दी है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा है कि जेल की दीवारें कितनी भी ऊंची क्यों न हो लेकिन जेल की नींव कानून की व्यवस्था पर टिकी है, जिसमें भारत के संविधान में कैदियों के अधिकारों को भी सुनिश्चित किया गया है। जस्टिस मुक्ता गुप्ता ने फैसले में कहा है कि यह अंकित गुर्जर के इन संवैधानिक अधिकारों का उल्लंघन है जिसे तिहाड़ जेल में हुई हिंसा के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी। उन्होंने जेल प्रशासन, मामले में पेश रिपोर्ट, जेल के डॉक्टरों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि यह सिर्फ कैदी की हत्या का मामला नहीं, बल्कि इससे जेल में कैदियों से जबरन धन उगाही का मामला भी जुड़ा ?है। ऐसे में मामले की जांच किसी निष्पक्ष एजेंसी से कराने की जरूरत है। मृतक अंकित की पोस्टमार्टम रिपोर्ट, उपाधीक्षक नरेन्द्र मीना और अन्य जेल कर्मचारियों के इस बयान को झूठलता है कि हाथापाई हुई थी जिसमें मीना और अंकित गुर्जर दोनों घायल हो गए थे।

महबूबा को तालिबान से उम्मीदें? कहा- शरिया को लागू कर बन सकते हैं दुनिया के लिए मिसाल

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि अफगानिस्तान में यदि तालिबान असली शरिया को लागू करे तो वह दुनिया के लिए मिसाल बन सकते हैं। महिलाओं, बच्चों और बूढ़ों को अधिकार दिए जाने की सलाह देते हुए महबूबा मुफ्ती ने यह उम्मीद ऐसे समय पर जताई है जब तालिबान की ओर से घोषित अंतरिम सरकार में कम से कम 14 खूंखार आतंकवादी शामिल हैं। महबूबा मुफ्ती ने कुलगाम में पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''तालिबान एक हकीकत बनकर सामने आ रहा है। उनको चाहिए कि पहली बार में (1996-2001) में जो उनकी छवि बनी है, वह मानवाधिकारों के खिलाफ थी। अबकी बार यदि वह आए हैं और हुकूमत करना चाहते हैं अफगानिस्तान में तो उन्हें वाकई जो इस्लामिक शरिया जो कहता है, असली, जो हमारे कुरान शरीफ में

हैं, जिसमें औरतों के हुकूक हैं, बच्चों और बूढ़ों के अधिकार हैं, और किस तरह सरकार चलानी चाहिए। जो मदीने का हमारा मॉडल रहा है। अगर वह वाकई उस पर अमल करना चाहते हैं तो मुझे लगता है वह दुनिया के लिए मिसाल बन सकते हैं। महबूबा ने कहा कि ऐसा करने पर ही तालिबान के साथ दुनिया के दूसरे मुल्क कारोबार करेंगे, खुदा-न-ख्वास्ता यदि उन्होंने 90 के दशक जो तरीका अपनाया था।

नागालैंड में बढ़ी शांति की उम्मीद, केंद्र और निकी सूमी के नेतृत्व वाले एनएससीएन के साथ हुआ समझौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने बुधवार को नगा उग्रवादी समूह 'एनएससीएन' के निकी सूमी के नेतृत्व वाले धड़े के साथ संघर्षविराम समझौते पर हस्ताक्षर किए। सूमी के खिलाफ एनआईए ने वर्ष 2015 में मणिपुर में सेना के 18 जवानों की कथित रूप से हत्या करने के लिए 10 लाख रुपये के इनाम की घोषणा की थी। गृह मंत्रालय के मुताबिक, शांति समझौता आठ सितंबर से एक साल के लिए प्रभावी रहेगा और इस समूह के 200 से अधिक सदस्यों ने आत्मसमर्पण किया है।

पाकिस्तान के बनाए रास्ते पर तालिबान, कांधारा हाईजैक के मास्टरमाइंड के बेटे मुल्ला मोहम्मद याकूब को बनाया रक्षा मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान में तालिबान की नई सरकार में कई खूंखार आतंकियों को शामिल किया गया है। इनमें से एक मुल्ला मोहम्मद याकूब है जिसे रक्षा मंत्री बना गया है। मुल्ला मोहम्मद याकूब तालिबान के पहले नेता और संस्थापक मुल्ला उमर का बेटा है। मुल्ला उमर जो कि घ्ण्-814 हाईजैकिंग का मास्टरमाइंड था। तालिबान शासन के तहत अफगानिस्तान के रक्षा मंत्री हैं। दरअसल, जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मौलाना मसूद अजहर, मृत आतंकी समूह अल उमर मुजाहिदीन के नेता, मुश्ताक अहमद जरगर और ब्रिटिश मूल के अल-कायदा नेता अहमद उमर सईद शेख को भारतीय जेलों से रिहा कराने के लिए साल 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान को हाईजैक कर लिया गया था।

विमान का अपहरण करने वाले आतंकियों ने 176 यात्रियों को सात दिनों तक बंधक बनाकर रखा था। जिस विमान को हाईजैक किया गया था वो काठमांडू से उड़ान भरी थी

और दिल्ली की ओर जा रही थी, लेकिन उसमें पहले से ही सवार आतंकियों ने उसे हाईजैक कर लिया और अफगानिस्तान के कंधार लेकर चले गए। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक कहा यह भी जाता है कि इस हाइजैकिंग को पाकिस्तान की सैन्य खुफिया एजेंसी आईएसआई का समर्थन हासिल था। तालिबान की ओर से गठित नई सरकार में ऐसे कई चेहरे हैं जो ये पाकिस्तान के मुहर को दर्शाते हैं। खासकर याकूब और कुछ अन्य जैसे सिराजुद्दीन हक्कानी, आंतरिक मंत्री और मुल्ला हसन अखुंद की नियुक्ति, जिन्हें अमेरिका और संयुक्त राष्ट्र ने आंतकवादी घोषित कर रखा है। मुल्ला मोहम्मद याकूब, जो अब रक्षा मंत्री हैं, को मई 2021 में तालिबान सैन्य आयोग का नेतृत्व करने के लिए नियुक्त किया गया था। सिराजुद्दीन हक्कानी और मुल्ला याकूब दोनों एक ऐसी सरकार चाहते थे जिसका सैन्य दृष्टिकोण हो, जहां नेतृत्व सेना के पास रहे, न कि बरादर द्वारा समर्थित राजनीतिक तत्व, जो दोहा समूह का हिस्सा थे।

खबर संक्षेप

रमाशंकर शुक्ल बने खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के सदस्य

सहसों। भाजपा के वरिष्ठ नेता रमाशंकर शुक्ल को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल द्वारा उत्तर प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड का सदस्य बनाया गया। सहसों में रविवार को भाजपा कार्यकताओं ने एक बैठक कर रमाशंकर शुक्ल को खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड का सदस्य बनाए जाने पर हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी गई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश सहकारी भूमि विकास बैंक शाखा फूलपुर के अध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने रमाशंकर शुक्ल को खादी ग्रामोद्योग बोर्ड का सदस्य बनाए जाने पर उपस्थित कार्यकताओं के साथ खुशी व्यक्त करते हुए उनका माल्यार्पण कर स्वागत व अभिनंदन किया। इस मौके पर वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा कि रमाशंकर शुक्ल 1989 से भाजपा में सक्रिय रहकर पार्टी की सेवा में सदैव तत्पर रहे हैं। पार्टी उन्हें कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां सौंप चुकी है। सदस्य बनाए जाने पर प्रमुख रूप से जिला मीडिया प्रभारी बृजेश कुमार त्रिपाठी, सहसों मंडल महामंत्री पवन शुक्ला, पप्पू मिश्रा, सत्यम त्रिपाठी, शुभम शुक्ला, जितेन्द्र सिंह आदि लोगों ने खुशी व्यक्त करते हुए बधाई दी।

योगेश योगी और प्रीतम पांडेय बने भाजपा जिला उपाध्यक्ष

कोरांव। भारतीय जनता पार्टी यमुनापार प्रयागराज के जिला उपाध्यक्ष पद पर योगेश कुमार मिश्र उर्फ योगी एवम प्रीतम पांडेय को बनाया गया। पार्टी कार्यालय भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सुधाकर पांडेय द्वारा जारी सूची के अनुसार उक्त पदाधिकारियों के अलावा कई अन्य पदाधिकारियों को मनोनीत किया गया है। पार्टी कार्यकताओं में उक्त युवा नेताओं के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति होने से हर्ष व्याप्त है तथा लोगों ने बधाई भी दी।

शिक्षक की बाइक चोरी

शंकरगढ़। घर के सामने खड़ी मोटरसाइकिल को उचक्कों ने दिनदहाड़े पार कर दिया। चोरी की यह वारदात यमुनापार के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र की है। पुलिस को दिए गए प्रार्थनापत्र में शंकरगढ़ कस्बे के वार्ड संख्या 11, सिंधी टोला निवासी विजय कुमार सिंह पुत्र काशीप्रसाद सिंह ने बताया कि उनकी मोटरसाइकिल बुधवार की दोपहर रामेश्वरम गेस्ट हाउस के सामने घर के बाहर खड़ी थी।भुक्तभोगी घर के अंदर गया और बाहर निकला तो बाइक गायब थी।बाइक को अज्ञात लोगों ने उसे पार कर दिया। चोरी की जानकारी होते ही उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। आसपास खोजबीन के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चला। इस पर उन्होंने शंकरगढ़ के थानाध्यक्ष को प्रार्थनापत्र देकर आवश्यक कार्यवाही की मांग की।

एनडीआरएफ टीम ने शास्त्री ब्रिज के पास गंगा में डूबे व्यक्ति को खोज निकाला

अखंड भारत संदेश

एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर कठिन परिश्रम से गंगा में डूबे व्यक्ति को खोज निकाला

प्रयागराज। दिन हो या रात एनडीआरएफ की टीम हमेशा राहत और बचाव का कार्य करती रहती है' एनडीआरएफ की टीम बाढ़ में फंसे हुए लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने के साथ-साथ जरूरतमंद लोगों को राहत सामग्री पहुंचाती है एवं दुर्घटना बस पानी में डूब जाने पर अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से कड़ी मेहनत के साथ विक्टिम को खोज निकालती है' इसी कड़ी में वाराणसी से श्री मनोज कुमार शर्मा कमांडेंट के नेतृत्व में 25 सदस्य टीम प्रयागराज में बाढ़ में फंसे हुए लोगों को राहत एवं बचाव के लिए आई है' बीते रविवार को संगम के पास कालीघाट पर गोंडा से आए पवन कुमार गुप्ता पिता श्री प्रेमचंद गुप्ता सिविल लाइन गोंडा उत्तर प्रदेश स्नान करने के दौरान सुबह 7:00 से 8:00 के बीच में फिसल कर गहरे पानी में चले गए' एसडीआरएफ और जल पुलिस की कठिन प्रयास के बावजूद विक्टिम को खोजने में असफल रहे' एडीएम प्रयागराज से सूचना मिलने पर मंगलवार को दोपहर में एनडीआरएफ की टीम घटनास्थल पर पहुंची तथा विभिन्न तकनीकी माध्यमों से खोजबीन की' अगले दिन एनडीआरएफ के जवानों ने कठिन परिश्रम करते हुए शास्त्री ब्रिज से लगभग 40 किलोमीटर तक रेकी करके सैदाबाद के पास सिरसा से विक्टिम को रिकवर कर लोकल पुलिस के हवाले किया' एनडीआरएफ के टीम कमांडर निरीक्षक दिनकर त्रिपाठी , सहायक उपनिरीक्षक सी .के . कमान, मुख्य आरक्षी पी.सी रमोला, अजय, उमेश सिंह सेंगर, रामवृक्ष भारद्वाज रेस्क्यूवर धर्मेंद्र कुमार चौधरी, राजकुमार, निशू, विपिन दुबे, विकास कुमार, धर्मेंद्र कुमार , सौरभ सरोज, रमेश कुमार ने अथक परिश्रम से गंगा के तेज बहाव के बीच में विक्टिम को प्राप्त किया'

एमएलसी सुरेंद्र चौधरी का किया गया स्वागत

प्रतापपुर। भारतीय जनता पार्टी प्रतापपुर मंडल अध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी के आवास पर बुधवार विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी के आगमन पर भाजपा मंडल अध्यक्ष प्रतापपुर आशुतोष त्रिपाठी एवं भाजपा कार्यकताओं ने जोरदार स्वागत किया।इस अवसर एमएलसी सुरेंद्र चौधरी ने कार्यकताओं को आगामी विधानसभा चुनाव में कड़ी मेहनत के साथ जुटकर भाजपा की नीतियां आमजन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कहा कि भाजपा ने हर वर्ग का बिना भेदभाव के साथ विकास किया है। किसान, मजदूर, नौजवानों के लिए विकास, रोजगार के अवसर दिए है। प्रदेश में गुंडाराज और सीमाओं पर आतंकवाद पर अंकुश लगा है। 2022 में भाजपा सरकार फिर से बनने जा रही है।इस अवसर पर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव, वरिष्ठ भाजपा नेता मुकुन्द लाल मौर्या, पूर्व मंडल अध्यक्ष आशाराम तिवारी, जिला उपाध्यक्ष युवा मोर्चा चन्द्रजीत यादव, आचार्य पंडित मंयक मिश्रा, शेषधर शर्मा, महन्त लाल पटेल, डब्लू दुबे, शिवेश त्रिपाठी सहित सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

करछना में कुशगढ शिव मंदिर ग्राउंड के पास जल्द बनेगा ट्रैक : विनायक पंडित

पुलिस सेवा में जाने वालों युवाओं को तैयारी करने में होगा आसान

अखंड भारत संदेस

करछना। तहसील क्षेत्र करछना के भू-भाग पर कहीं भी युवाओं को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन निखारने कोई खेल का मैदान नहीं है और नहीं कोई खेल स्टेडियम की ब्यवस्था उपलब्ध है, ऐसे में प्रशासनिक सेवा में जाने वाले युवाओं को अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन सडकों या गांव के बांग बगीचों में ही तैयारियां पूरी करते हैं, इसे आसान बनाने के लिए तहसील क्षेत्र के रोकडी गांव के विनायक पंडित अध्यक्ष मॉ सेवा संस्थान ने इसका बीडा उठाते हुए कहा कि, माँ सेवा संस्थान की ओर बारिश बाद जल्द ही तहसील क्षेत्र के कुशगढ शिव मंदिर प्रांगण के पास खाली पडी भूमि पर युवाओं के लिए दौडने के लिए जल्द एक ट्रैक बनाने का कार्य कराया जाएगा, जिसमें। खर्च की पूरी जिम्मेदारी मा सेवा संस्थान करेगा, इस पहल क्षेत्रीय युवाओं ने संस्थान के प्रति आभार जताया है ।

पंचायत सहायक भर्ती मामले में मनमानी का आरोप

अखंड भारत संदेश

मेरिट के आधार पर अनुमोदन किसी और का बाद में हेराफेरी कर होने लगे दो और नामों की चर्चा

कोरांव। विकासखण्ड कोरांव के गिरगोठा गांव में पंचायत सहायक भर्ती में ग्राम विकास अधिकारी की मिलीभगत से धांधली का आरोप लगाया गया। जैसा कि शासन के आदेशानुसार सभी ग्राम पंचायतों में एक एक पंचायत सहायक रखने का आदेश पारित किया गया था। जिसका आवेदन करने का अंतिम समय 31 अगस्त रखा गया। जिसको लेकर पात्र अभ्यर्थियों ने अपने अपने गांवों में उक्त पद हेतु आवेदन करने का काम किया किन्तु क्षेत्र के गिरगोठा गांव में कुछ इस तरह का मामला सामने आया कि वहां की अभ्यर्थी सरिता यादव पत्नी राजीव कांत यादव जो कि अपने गांव में मेरिट लिस्ट में पहले स्थान पर रही फिर भी उसके साथ हेराफेरी करते हुए दूसरे का नाम पद के लिए ग्राम विकास अधिकारी एवं एडीओ पंचायत द्वारा अनुमोदन कर दिया गया। सरिता यादव ने लिखित शिकायत करते हुए कहा कि उक्त पद हेतु जब सभी जिम्मेदार लोगों के समक्ष गांव के प्राथमिक विद्यालय पर अभ्यर्थियों का आवेदन पत्र खोला गया तो उसमें मात्र छः लोगों का ही आवेदन देखा गया जिसमें सबसे अधिक मेरिट भी प्रार्थिनी का ही रहा और सभी ने उसके नाम का अनुमोदन भी किया किन्तु तीन दिन बाद तीन सितंबर को सचिव ने पैसे की लेन-देन करके दो अभ्यर्थियों का फार्म लेकर दूसरे के चयन की बात करने लगे। प्रार्थिनी ने ग्राम विकास अधिकारी एवं एडीओ पंचायत के ऊपर आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि उक्त अधिकारियों के जरिए पैसा लेकर शासन द्वारा निर्धारित आवेदन के अंतिम तारीख के बाद भी अन्य दो अभ्यर्थियों का फार्म सम्मिलित किया गया। उक्त मामले के संदर्भ में जब एडीओ पंचायत से बात की गयी तो उन्होंने यह कहा कि दो अन्य फार्म पहले से लिए गए थे किन्तु भूल से सम्लित नहीं किए गए। फिलहाल एडीओ पंचायत ने जांच कार्यवाही की बात कही।

साफ सफाई एवं संतुलित आहार से कुपोषण का बचाव : डॉ राजेश

बच्चों का परीक्षण करते डॉक्टर राजेश कुमार।

अखंड भारत संदेश

सहसों। विकासखंड सहसों के बगई खुर्द स्थित बुधवार को राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय के द्वारा प्राथमिक विद्यालय बगई खुर्द एवं होम्योपैथिक चिकित्सालय परिसर बगई खुर्द में राष्ट्रीय पोषण माह कार्यक्रम के अंतर्गत चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर राजेश कुमार ने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए कहा काफी संख्या में बच्चों के अंदर कुपोषण फैलता जा रहा है। इसलिए बच्चों को साफ सफाई एवं संतुलित आहार की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इस बारे में बच्चों से ज्यादा उनके माता-पिता को सावधान एवं बच्चों के जीवन के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। बच्चों को मौसम के अनुरूप समय-समय पर हरी पत्तेदार सब्जियां, दाल का जूस, ताजे फल का जूस, समय-समय पर स्वास्थ्य का परीक्षण एवं घर के अंदर साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से फार्मासिस्ट विनय कुमार मिश्र, ग्राम प्रधान विष्णु देव यादव, शंभू नाथ यादव, समर बहादुर यादव सहित काफी संख्या में स्कूल के बच्चे अभिभावक तथा अन्य लोग उपस्थित रहे।

रहस्यमई बुखार से छात्र की मौत,परिजनों में कोहराम

फाइल फोटो मृतक आकाश मिश्रा

सहसों। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनी के अंतर्गत सिंगरामऊ गांव में गत सोमवार को रहस्यमई बुखार से एक छात्र की मौत हो जाने से परिवार सहित गांव में मातम छाया हुआ है। जानकारी के अनुसार सिंगरामऊ गांव निवासी आकाश उर्फ छोटू मिश्र 19 वर्ष पुत्र राजेश मिश्र को बुखार होने पर स्थानीय चिकित्सकों से इलाज कराने से फायदा न होने पर परिजनों ने उसे प्रयागराज के एक निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया जहां पर आकाश उर्फ छोटू सोमवार को सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। इस रहस्यमई बुखार से छोटू की मौत पर परिजनों सहित पूरे गांव में मातम छाया हुआ है। दो भाइयों में दूसरे नंबर का आकाश मिश्रा इस वर्ष इंटरमीडिएट की परीक्षा पास कर स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। इस संबंध में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनी के अधीक्षक डॉक्टर अमृत लाल यादव का कहना है कि जानकारी हुई है इस पर सुपरवाइजर के नेतृत्व में टीम गठित कर दी गई है। जिसका घर-घर सर्वे कराकर बीमार लोगों की सूची बनाई जाएगी एवं उन्हें उचित उपचार दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त गांव में पेयजल स्वच्छता पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

श्यामकांत शुक्ला बने डीवीए के संरक्षक बधाई देने वालों का लगा तांता

समाजसेवी लहरी भइया ने प्रकट किया डीवीए का आभार-

मेजा। डिस्ट्रिक्ट वालीवाल एसोसिएशन प्रयागराज द्वारा वरिष्ठ समाजसेवी श्यामकांत शुक्ला को संरक्षक मनोनीत किये जाने पर जहां बधाई देने वाले लोगों का तांता लगा हुआ है वही लहरी भैइया ने डीवीए का आभार प्रकट किया है।
उल्लेखनीय है कि मिजार्पुर जनपद के छबिनाथपुर गांव निवासी एवं भारत सरकार के उपक्रम दूर संचार विभाग में क्लास वन आफिसर के पद से सेवानिवृत्त कोविड-19 के मद्देनजर विगत एक वर्ष से समाजसेवा के प्रति संकल्पिक श्री शुक्ला डीवीए में स्वयं को संरक्षक बनाये जाने पर कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को धन्यवाद देते हुए कहा कि जिन्होनें मुझ पर इतना बड़ा भरोसा किया है मैं उनकी इच्छा का दिल से सम्मान करता हूॅ। उन्होनें कहा कि डीवीए प्रयागराज के संरक्षक पद को सहर्ष स्वीकार करते हुए मुझे गर्व का अनुभव हो रहा है।इतना ही नहीं श्री शुक्ला ने उम्मीद जाहिर करते हुए यह भी कहा कि मैं एसोसिएशनकी अपेक्षाओं पर खरा उतरूंगा और वालीवाल के खेल संरक्षण, संवर्धन और विकास मैं सच्ची निषठा के साथ योगदान करने के अलावा खेल को नई उॅचाइयों पर पहूॅचाने की निरंतर कोशिश करता रहूंगा। गौरतलब है कि समाजसेवी व्यक्तित्व श्यामकांत शुक्ला उर्फ जहरी भइया को डीवीए में संरक्षक बनाये जाने पर बधाई देने वालोंलोगों का तांता लगा हुआ है।

न्यूज झरोखा

अपराधियों को किसी भी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा : विनोद कुमार सिंह

नवागत एसओ विनोद कुमार सिंह

नैनी/कौंधियारा। बुधवार को जनपद प्रयागराज थाना कौंधियारा के नए थानाध्यक्ष के रूप में विनोद कुमार सिंह ने पदभार ग्रहण किया। मंगलवार डीआईजी एसएसपी सर्वश्रेष्ठ त्रिपाठी द्वारा कई सब इंस्पेक्टर के तबादले तथा नई तैनाती में सब इंस्पेक्टर विनोद कुमार सिंह को कौंधियारा थानाध्यक्ष बनाये जाने का आदेश शामिल रहा। इससे पूर्व विनोद कुमार सिंह यमुनापार के ही थाना मेजा क्षेत्र चौकी कोहडार इंचार्ज के रूप में तैनात रहकर विधि- एवं कानून व्यवस्था में योगदान दे रहे थे। बुधवार को उन्होंने थानाध्यक्ष के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने बताया कि मेरी पहली प्राथमिकता क्षेत्र में शांति स्थापित करना, अपराध पर पूरी तरह लगाम लगाना व पुलिस और पब्लिक के बीच अच्छा संबंध स्थापित करना होगा। उन्होंने इसके लिए क्षेत्र के लोगों को भी पुलिस की मदद करने पर बल दिया। अच्छे लोगों का सम्मान करना व आपराधिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करना भी प्राथमिकता रहेगी।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग गृहस्थी जलकर राख

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के बरेठी गांव में मंगलवार बीती रात को शॉर्ट सर्किट से कच्चे मकान में आग लगने से घर में रखा गृहस्ती का सामान जलकर खाक हो गया। बरेठी गांव निवासी मुन्नालाल चौरसिया पुत्र स्वर्गीय रामजीयावन चौरसिया मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। मुन्नालाल अपने परिवार के साथ खाना खाकर बगल के कमरे में सो गया ।था। घर में आग लगने से पड़ोस के लोग शोरगुल मचाने पर गांव लोग जब तक आग पर काबू पाते तब तक आग भयावक रूप पकड़ लिया। वही ग्रामीणों ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाए। घर में रखा खाने-पीने की सामग्री दाल ,चावल, आटा एवं बच्चों का कपड़ा आदि। घर गृहस्ती का सामान जलकर खाक हो गया। मुन्ना चौरसिया ने बताया कि आग से लगभग हजारों रुपए से ज्यादा जल गया। वहीं जले हुए सामान को देखकर परिवार की आंखों में आंसू छलक पड़े।

जंघई बरुणा संपर्क मार्ग पर रस्तीपुर गाँव में गड्ढे ही गड्ढे

जंघई। प्रतापपुर क्षेत्र की जंघई बरुणा संपर्क मार्ग जिस पर 24 घंटे छोटे बड़े वाहनों का आवागमन रहता है जगह जगह सड़कों में गड्ढे बन गये हैं। आवागमन बाधित हो रहा है लोग गिरकर चुटहिल हो रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनी इस सड़क की मरम्मत नही हो रही है। जिससे आवागमन करने वालों में काफी आक्रोश व्याप्त है इस मार्ग का प्रयोग लोग फूलपुर, प्रयागराज, बादशाहपुर, प्रतापगढ़, जौनपुर आदि स्थानों पर आने जाने के लिए करते हैं। इस मार्ग पर दर्जनों गड्ढे बीच सड़क पर हो गये हैं जिसके कारण आवागमन बाधित हो रहा है एवं दुर्घटनायें होती रहती हैं।

विदाई समारोह में भावुक हुए चौकी प्रभारी मेजा

मेजारोड। प्रयागराज मेजा थाना परिसर में चौकी प्रभारी कोहडार विनोद कुमार सिंह का विदाई समारोह का आयोजन किया गया। बुधवार को कोतवाल मेजा अरुण कुमार चतुवेर्दी के नेतृत्व में विनोद कुमार सिंह को माल्यार्पण कर व मिठाई खिलाकर उन्हें विदाई देते हुए बधाई दी गयी। गौरतलब है कि चौकी प्रभारी कोहडार विनोद कुमार सिंह को थानाध्यक्ष कौंधियारा बनाया गया है.। इसी उपलक्ष में विदाई समारोह कार्यक्रम रखा गया। विदाई कार्यक्रम में चौकी प्रभारी विनोद कुमार सिंह भावुक हो गए उन्होंने कहा की सरकारी नौकरी में फेरबदल होना आम बात है आना जाना लगा रहता है लेकिन जिस तरीके से मुझे मेजा क्षेत्र में प्यार मिला उसे भुलाया नहीं जा सकता। यहां से जाने का गम है तथा नई जिम्मेदारी नये पद की खुशी भी है। विदाई कार्यक्रम में मेजारोड व्यापार मंडल अध्यक्ष पप्पू उपाध्याय ने विनोद कुमार सिंह को अंगवस्त्रम व माला पहनाकर बधाई दिया। विदाई कार्यक्रम में चौकी प्रभारी मेजारोड पंकज त्रिपाठी , चौकी प्रभारी जेवनिंया आशीष चौबे , चौकी प्रभारी सिरसा हरीश चंद्र शर्मा, दरोगा अतुल कुमार मिश्रा, दरोगा संजय कुमार सिंह, दरोगा रामअधार सहित थाने के समस्त स्टाप तथा क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बैंक के मैनेजर ने छात्रा को वितरित की किताबें

कोराव। बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, बड़ोखर के असिस्टेंट मैनेजर सचिन पांडेय ने पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवीबांध की पूर्व छात्रा और वर्तमान में शिव जियावन इंटरमीडिएट कॉलेज ,लेडियारी की कक्षा 11 की विज्ञान वर्ग की छात्रा को अध्ययन के लिए किताबें और कॉपियां दान की। जहां देशभर में नारी सशक्तिकरण के लिए अभियान चलाया जा रहा वहीं पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवीबांध के प्रधानाध्यापक अग्नि प्रकाश शर्मा द्वारा गरीब छात्राओं की शिक्षा मे मदद करके उन्हे मजबूत किया जा रहा है जिसमे सचिन पांडेय जैसे अन्य बौद्धिक एवं सामाजिक लोग भी मदद कर रहे हैं। प्रधानाध्यापक का कहना है कि शिक्षा ही नारी को असल में सशक्तिकरण कर सकता है। उन्होंने लोगो से निवेदन किया है कि यदि आपके भी आसपास कोई छात्र या छात्रा आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई नहीं कर पा रहे हैं तो कृपया उनकी शिक्षा हेतु मदद करें और यदि इस कार्य में कोई मदद करना चाहता है तो उनसे संपर्क कर सकता है क्योंकि ऐसी कई छात्राएं विद्यालय के संपर्क में हैं जो आर्थिक तंगी से जूझ रहीं हैं।

करछना अस्पताल पहुंचे सांसद अधीक्षक गायब मिलें, सीएमओ से शिकायत

अखंड भारत संदेस

निरीक्षण को गये सांसद रेवती रमण सिंह

करछना प्रयागराज राज्य सभा सांसद कुवर रेवती रमण सिंह मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र करछना का निरीक्षण करने पहुंचे, लेकिन अस्पताल के परिसर में जैसे पहुचे सांसद महोदय पता चला की अस्पताल का अधीक्षक नवीन गिरि अस्पताल में मौजूद नहीं है ।तों सांसद जी अपनी गाडी से नीचे उतरे नहीं और अस्पताल कर्मियों के सामने नाराजगी जाहिर करते हुए सीएमओ से शिकायत कर कारवाई की बात कही और चलें गये ।बता दे कि कोविड महामारी के बचाव के लिए सांसद कुवर रेवती रमण सिंह ने अपने निधि से तैंतीस लाख चौंतीस हजार रुपये का आक्सीजन गैस सिलेंडर करछना सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केलिए दिया था, और उसी बावत अस्पताल में सांसद जी गयें थें तथा अस्पताल में और कमियों की जानकारी लने पर अधीक्षक के नदारत रहते उन्हे बैरग वापस लौटना पड़ा।

जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में वाराणसी सभा के लिए रवाना हुए सैकड़ों कार्यकर्ता

'भाजपा पिछड़ा मोर्चा : जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती ने पार्टी का झंडा दिखा किया रवाना

अखंड भारत संदेश

भाजपा पिछड़ा मोर्चा को वाराणसी के सभा के लिए रवाना करते जिलाध्यक्ष विभव नाथ भारती

गौहनिया। भाजपा पिछड़ा मोर्चा यमुनापार के सैकड़ों कार्यकर्ता वाराणसी में बुधवार के दिन आयोजित भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा मोर्चा के तत्वाधान में आयोजित कार्यकर्ता समागम एवम अभिनंदन समारोह में पिछड़ा मोर्चा के जिलाध्यक्ष यमुनापार सुभाष सिंह पटेल के नेतृत्व में दर्जनों पदाधिकारियो सहित सैंकड़ों कार्यकर्ताओ को जिला अध्यक्ष विभव नाथ भारती ने झंडे दिखा रवाना किए। बुधवार के सुबह सात बजे से ही यमुनापार के विभिन्न क्षेत्रों से पदाधिकारी और कार्यकर्ता एकत्रित होकर सामूहिक रूप से एक साथ वाहनों का काफिला वाराणसी के रवाना हुआ। इस बीच अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने कहा कि आगामी विधान सभा चुनाव में सरकार बनाने और जनाधार बढ़ाने में पिछड़ा मोर्चा का अहम योगदान होगा। उपाध्यक्ष धर्म पाल सिंह, सूर्य प्रताप सिंह, धीरेंद्र यादव, अखिलेश सिंह पटेल, धर्म दास मौर्य, सुरेंद्र सिंह सहित महामंत्री आशीष पाल, डॉ सूर्या यादव, राम ललक पटेल सहित दर्जनो पदाधिकारी शामिल रहे।

आरके शर्मा भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के बने जिला मीडिया प्रभारी

घूरपुर। भारतीय जनता पार्टी पिछडा. वर्ग मोर्चा के नवनियुक्त जिला मीडिया प्रभारी आरके शर्मा को जिलाध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल के घोषणा के बाद भाजपाईयों मे खुशी का माहौल है।बुधवार को किसान मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमाकांत विश्वकर्मा,जिला उपाध्यक्ष संतोष त्रिपाठी,जय सिंह पटेल,विजय शंकर शुक्ला, दिलीप कुमार चतुवेर्दी, प्रकाश शुक्ला प्रचंड, मनोज गुप्ता, दुर्गा पांडेय आदि ने जिला मीडिया प्रभारी आरके शर्मा का माल्यार्पण करते हुए शुभकामनाऐं एवं बधाई देते हुए मुह मीठा कराया तो आरके शर्मा ने भाजपा जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती व पिछडा वर्ग मोर्चा के जिलाध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल का आभार जताते हुए शीर्ष नेतृत्व द्वारा सौपे जिम्मेदारियो का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने का भरोषा दिलाते हुए सभी का मुह मीठा कराया।

यमुनापार भाजपा पिछडा.वर्ग मोर्चा के जिला पदाधिकारी हुए घोषित

घूरपुर । भारतीय जनता पार्टी यमुनापार पिछड़ा वर्ग मोर्चा के 30 सदस्यो वाली जिला पदाधिकारियों के टीम की घोषणा मंगलवार और बुधवार की रात्रि जिला अध्यक्ष सुभाष सिंह पटेल ने की है।भारतीय जनता पार्टी यमुनापार जिला मीडिया प्रभारी दिलीप कुमार चतुवेर्दी ने बताया कि 19 जिला पदाधिकारी व 11 जिला कार्यसमिति सदस्य की घोषणा की गई हैं। जिसमे उपाध्यक्ष धर्म राज पाल, सूर्य प्रताप सिंह, धीरेंद्र यादव, अखिलेश सिंह पटेल, धर्मदास मौर्या, सुरेंद्र सिंह, व महामंत्री आशीष पाल, डॉं. सूर्या यादव व मंत्री रामललक पटेल, रामदेव प्रजापति, संजय पाल, अनुपम सिंह, शिव प्रसाद पटेल, सुरेंद्र बहादुर कोषाध्यक्ष संतोष पटेल, शोध प्रमुख इं. मयंक कुमार गुप्ता, मीडिया प्रभारी आरके शर्मा, सोशल मीडिया प्रमुख शिवम सिंह कार्यालय प्रभारी राजेंद्र प्रताप सिंह की भी घोषणा की गई है। भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती,शोभनारायण द्विवेदी,दिलीप कुमार चतुवेर्दी,अरूण सिंह,सुधाकर पांडेय,हरिदेव धूरिया,कमलेश त्रिपाठी,प्रकाश शुक्ल प्रचंड,वृजमोहन आर्य,जगत शुक्ला आदि पदाधिकारियो को शुभकामनाऐं दी है।

खबर संक्षेप

प्रियंका गाँधी ने दिया जीत का मंत्र

प्रतापपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की राष्ट्रीय महासचिव एवं उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गाँधी ने बुधवार को प्रतापपुर विधानसभा के वरिष्ठ कांग्रेस नेता संजय तिवारी सहित तमाम पदाधिकारियों से जूम मीटिंग के माध्यम से बात किया। उन्होंने कांग्रेस पदाधिकारीयो एवं कार्यकर्ताओ को घर-घर जाकर निष्ठावान कांग्रेसियों को जोड़ने और उनकी भागीदारी तय करने के साथ पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूती की बात करते हुए कहा यही जीत का मंत्र है।

किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष का प्रतापपुर में स्वागत

प्रतापपुर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष लक्ष्मीकांत उपाध्याय जिलाध्यक्ष मनोनीत होने के बाद प्रतापपुर विधानसभा में प्रथम आगमन पर किसान मोर्चा के नवनियुक्त जिला मंत्री रुद्र प्रताप सिंह की अगुआई में माला पहनाकर और अंगवस्त्र देकर स्वागत किया गया।इस अवसर पर जिलाउपाध्यक्ष श्याम विहारी पांडेय, भूपेंद्र मिश्रा, काशीनाथ दुबे, विमलेश पटेल, संजय पटेल सहित दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सेवक की मौत पर वकीलों ने किया हंगामा शव कचहरी गेट पर रखकर लगाया जाम

अखंड भारत संदेश

सेवक की मौत को लेकर कचहरी में वकीलों ने जमकर हंगामा काटा लगाया जाम

प्रयागराज। कचहरी में वकीलों की सेवा करने वाले सुभाष यादव उर्फ बांके की मौत पर वकीलों ने जमकर हंगामा किया। उन्होंने शव रखकर जाम भी लगा दिया। उनका आरोप था कि बेली हास्पिटल के डाक्टरों ने सुभाष का इलाज नहीं किया जिससे उसकी मौत हो गई। बाद में पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले को शांत किया। कुंडा प्रतापगढ़ का रहने वाला सुभाष यादव उर्फ बांके कचहरी में अपने साथी अमित कुमार के साथ रहता था। दोनों वकीलों को चाय और पानी लाकर देते थे। इसके बदले उन्हें थोड़ा बहुत पैसा मिल जाता था। जिसमें वे अपना गुजारा करते थे। सुभाष की तबियत पिछले कुछ दिनों से खराब चल रही थी। बुधवार दिन में वह डिवाइर पर लेटा था। शाम को वकीलों ने देखा कि उसकी मौत हो गई। उसके साथी अमित ने बताया कि मंगलवार को वह सुभाष को लेकर बेली अस्पताल गया था लेकिन डाक्टरों ने उसके गंदे कपड़े देखकर इलाज नहीं किया। उसे भगा दिया। इतना सुनते ही वकील भड़क गए। उन्होंने सुभाष की लाश को सड़क पर रखकर चक्का जाम कर दिया। तब तक पुलिस पहंच गई थी। वकीलों ने डाक्टरों के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की और उनके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने की मांग की। बाद में पुलिस ने अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज कर ली। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

सेमरा गांव में दो पक्षों में मारपीट, एक को गंभीर चोट

सहसों। सरायइनायत थाना क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी परिधि मे सेमरा गांव में किसी बात को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई जिसमें गणेश भारतीय पुत्र 55 सुरजन को गंभीर चोटे आई । मौके पर पहुंचे सिपाही अमितोष सिंह आनन-फानन में ऑटो से गणेश को लेकर सहसो निजी अस्पताल में दिखाएं जहां पर चिकित्सकों ने प्रयागराज के लिए रेफर कर दिया। तत्काल गणेश को लेकर सिपाही अमितोष सिंह प्रयागराज जा रहे थे कि गणेश की रास्ते में ही मौत हो गई। सिपाही अमितोष सिंह इलाज के लिए एसआरएन प्रयागराज जा रहे थे कि त्रिवेणीपुरम गेट पर पहुंचे थे कि 20-25 अज्ञात लोगों ने सिपाही अमितोष सिंह से मृतक गणेश की डेड बॉडी छीन कर बाइक से फरार हो गए । मौके पर एसपी गंगापार क्षेत्राधिकारी फूलपुर सहित भारी पुलिस बल सेमरा गांव में मौजूद होकर घटना की छानबीन कर रहे हैं ।

टीकाकरण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेजा में लगी लंबी लाइन

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। सामुदायिक स्वास्थ केंद्र मेजा में कोविड टीकाकरण के लिए महिलाओं व पुरुषों की लंबी लाइनें लग रही है। टीकाकरण के लिए लोगों को धूप में घंटों खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है । लाइन में खड़े लोगों से वार्ता करने पर पता चला कि वह बिना कुछ खाए पीए सुबह सात बजे से टीकाकरण के लिए लाइन में खड़े हैं। वही सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आए दिन बाइक चोरी की घटनाएं होती रहती है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेजा में टीकाकरण के लिए आए लोगों की लगभग 5 मोटरसाइकिलें चोरी हो चुकी हैं । वहीं पुलिस चोरी की इन घटनाओं को रोकने में नाकाम साबित हो रही है। जिसे लेकर लोगों में खासा आक्रोश बना हुआ है।

धूप में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करते लोग

राष्ट्रीय पोषण दिवस के दूसरे सप्ताह रेस्पी कार्यक्रम कर गर्भवती महिलाओं को किया गया जागरूक

सात माह से तीन वर्ष तथा तीन माह से 6 वर्ष के लाभार्थी बच्चों ने की भागीदारी

अखंड भारत संदेश

आगनबाड़ी केन्द्र मेजा में गर्भवती महिलाओं को जागरूक करते डा0 राघव प्रसाद वर्मा

मेजा। गर्भवती महिलाओं को जागरूक करने के उद्देश्य से शासन स्तर से माह के दूसरे सप्ताह का कार्यक्रम आंगनबाड़ी केन्द्र मेजा की सीडीपीओ मीरा पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हआ जिसमें क्षेत्र के सात माह से तीन वर्ष तथा तीन माह से 6 वर्ष तक के बच्चों के साथ-साथ गर्भवती एवं धात्री महिलाओं ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि सीडीपीओ मेजा मीरा पटेल की अध्यक्षता में बुधवार को आंगनबाड़ी केन्द्र मेजा में आयोजित राष्ट्रीय पोषण कार्यक्रम के दूसरे सप्ताह में उपस्थित गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को जागरूक करते हुए मीरा पटेल ने कहा कि गर्भवती महिलाओं पौष्टिक साग-सब्जियॉ एवं दूध का ही सेवन करना चाहिए इसके अलावा समय-समय पर मेडिकल जांच भी कराते रहना चाहिए जिससे पैदा होने वाला शिशु कुपोषण का शिकर न हो सके। इसी क्रम में आयुर्वेदिक चिकित्सक डा0 राघव प्रसाद वर्मा ने टेबल पर रखी विभिन्न प्रकार की हरी सब्जियों एवं फलो पर विस्तार से टिप्पणी देते हुए पोषण व कुपोषण के बारे में उपस्थित गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को जागरूक करते हुए विधिवत जानकारी दिया। उन्होने कहा कि शिशु स्वस्थ रहे इसके लिए गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक भोजन ही लेना चाहिए। इस मौके पर मुख्य सेविका निर्मला कुमारी, सरिता जायसवाल, उषा जायसवाल, उषा कुशवाहा, उमा सिंह, विनय गुप्ता, विकास कुमारी, रेखा गुप्ता, निर्मला, मनोरमा, पूनम, साधना श्रीवास्तव, सोनी, ज्ञान देवी, धन केशर, उर्मिला देवी व राम सुमित्र के अलावा भारी संख्या में गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा लाभार्थी बच्चे मौजूद रहे।

गंगा चौपाल लगा कर मनाया आजादी का अमृत उत्सव

प्रयागराज। आजादी के अमृत महोत्सव व गंगा संरक्षण के अंतर्गत जिला गंगा समिति एवं नेहरू युवा केंद्र (नमामि गंगे परियोजना) प्रयागराज के संयुक्त प्रयास से मंगलवार का ब्लाक सैदाबाद के गंगा गाँव दुमदमा में गंगा एवं उसकी सहायक नदिया और जैव विविधता पर कार्यशाला पर चौपाल लगा कर जागरूकता कार्यक्रम रखा गया ' कार्यक्रम का आयोजन प्रभागीय वन निदेशक रमेश चंद्र जी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित किया गया ' कार्यक्रम का आयोजन एवं संचालन जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह द्वारा किया गया ' कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भारतीय वन्य जीव संस्थान से फील्ड इंचार्ज के पी उपाध्याय,सामुदायिक अधिकारी हेमा पंत, प्रियंका और वन विभाग से हंडिया रेंजर अधिकारी संतोष कुमार श्रीवास्तव व राम निरंजन बिंद मौजूद रहे ' भारतीय वन्यजीव संस्थान की टीम ने गंगा एवं उसकी सहायक नदियों के स्वच्छता एवं उनके बचाव को लेकर जानकारी दी और साथ ही उसमें जीवन यापन करने वाले जलीय जीवो के संरक्षण हेतु लोगों को बताया गया ' जिला परियोजना अधिकारी एषा सिंह ने पर्यावरण मे फेके जाने वाले कचरा ,प्लास्टिक का हानिकारक दुष्प्रभाव पर चर्चा की और कचरा प्रबंधन, चित्रमय चार्ट से लोगों को जानकारी दी ' डीपीओ द्वारा दूरदर्शन इंडिया पर प्रसारित होने वाला "रग-रग में गंगा कार्यक्रम" के बारे में सभी लोगों को जानकारी दी गयी व देखने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

ग्रामीणों ने नेशनल हाईवे पर चक्का जाम कर लगाए सरकार विरोधी नारे

अखंड भारत संदेश

ग्रामीणों ने चकका जाम कर लगाये सरकार विरोधी नारे

मेजा रोड। गंगा कटान एवम पक्का निर्माण को लेकर आक्रोशित युवाओं सहित ग्रामीणों में नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर सरकार विरोधी नारेबाजी करते हुये हंगामा किया। स्थानीय पुलिस की घण्टों की कड़ी मशक्कत के बाद चक्काजाम को समाप्त किया गया। जाम के कारण वाहनों का भीषण जाम लगा रहा। माण्डा के नरवर चौकठा में बीते कई वर्षों से गंगा कटान की रोकथाम हेतु पक्का घाट निर्माण को लेकर युवाओं के साथ ग्रामीण अफसरों की चौकठ का चक्कर काटते आ रहे है। मेजा, प्रयागराज, लखनऊ में भी धरना प्रदर्शन किया गया,लेकिन आश्वस्त करके अफसर निर्माण कार्य भूल गए। वहीं समाजसेवी तपन सिंह की अगुवाई में मंगलवार को भारी जनसंख्या में ग्रामीणों ने दिघिया बाजार स्थित प्रयागराज वाया मिजार्पुर नेशनल हाईवे पर चक्काजाम कर दिया और सरकार के विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी। उक्त जाम के कारण वाहनों का दूर दूर तक भीषण जाम लग गया। इससे राहगीरों को परेसान देखा गया। उधर उक्त जाम की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक अवन कुमार दीक्षित भारी फोर्स के साथ जाम स्थल पहुचें। पुलिस की घण्टों की कड़ी मशक्कत के बाद जाम को समाप्त कराया गया, तब राहगीरों ने राहत की सांस ली।

उपरोक्त मामले में समाजसेवी तपन सिंह ने बताया कि प्रभारी निरीक्षक द्वारा बुधवार को थाने बुलाया गया है, जहा धरना प्रदर्शन हेतु आदेश पारित करने की बात कही गई है। उक्त समाजसेवी ने कहा कि जब तक पक्का निर्माण कार्य शुरू नहीं कर दिया जाता, तब तक प्रदर्शन जारी रहेगा। इस अवसर पर सूरज सिंह, वीरू सिंह, अनिकेत सिंह, गोविंद पाल, अमित सिंह सहित भारी जनसंख्या में ग्रामीण रहे।

युवा कवि भारतेन्द्र त्रिपाठी को मिला काव्यश्री सम्मान

अखंड भारत संदेश

उत्तराखंड की संस्था बुलंदी जज्बात- ए-कलम ने दिया यह सम्मान
पेशे से शिक्षक भारतेन्द्र त्रिपाठी ने वर्चुअल काव्य पाठ में पढ़ी थी अपनी रचनाएं

फूलपुर। अपनी काव्य रचनाओं के माध्यम से इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड का हिस्सा बनने पर उत्तराखंड की संस्था बुलंदी जज्बात-ए-कलम संस्था ने कवि भारतेन्द्र त्रिपाठी को काव्यश्री से नवाज कर सम्मानित किया। फूलपुर क्षेत्र के देवनहरी गांव निवासी कवि भारतेन्द्र त्रिपाठी एक अच्छे लेखक होने के साथ ही पेशे से एक शिक्षक हैं। विभागीय जिम्मेदारियों को बखूबी निभाने के साथ ही उन्होंने काव्य रचना में भी अपनी काबिलियत दिखाई। उनका पहला काव्य संग्रह मेरा प्रतिबिंब बेंगलुरू से प्रकाशित हुआ तो उसकी खूब सराहना हुई। कवि भारतेन्द्र त्रिपाठी ने बताया कि काव्य रचना के साथ ही लेख लिखना उन्हें शुरू से ही पसंद था। अभी तक उनके पांच साझा काव्य संग्रह भी प्रकाशित हो चुके। उन्होंने बताया कि 11 जुलाई से 20 जुलाई 2021 तक लगातार 207 घंटे चले वर्चुअल काव्य पाठ में भाग लेकर उन्होंने अपनी रचनाओं का पाठ किया था जिसकी खूब सराहना हुई थी। उक्त कवि सम्मेलन को इंडिया वर्ल्ड रिकॉर्ड में सबसे लंबे कवि सम्मेलन के रूप में दर्ज किया गया है। इस कवि सम्मेलन में प्रतिभाग करने और इंडिया विश्व रिकॉर्ड में महत्वपूर्ण योगदान के लिए ही उत्तराखंड की संस्था ने उन्हें काव्श्री से सम्मानित किया। उन्होंने काव्यश्री मिलने पर माता पिता के साथ ही अपने शुभचिंतकों के प्रति आभार प्रकट किया। वहीं युवा कवि को काव्यश्री मिलने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल रहा। संस्था के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक बादल बाजपुरी,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राकेश शर्मा, राष्ट्रीय सचिव मातृका बहुगुणा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री अभिषेक मिश्रा ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए अपनी शुभकामनाएं दीं।

कार की टक्कर से स्कूटी सवार घायल भेजा गया जिला अस्पताल

अखंड भारत संदेश

मेजा रोड। कोतवाली क्षेत्र के कोटहा गांव के समीप कार की टक्कर से स्कूटी सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की हालत गंभीर देख डाक्टरों ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वही टक्कर मारने के बाद 3कार चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार बेचन लाल केसरी पुत्र अज्ञात निवासी चपउर अपने दामाद राजेश केसरी के साथ किसी काम से मेजारोड बाजार गए हुए थे। बाजार से लौटते वक्त जैसे ही वह राष्ट्रीय राजमार्ग (76) के कोटहा गांव के समीप पहुंचे ही थे कि तभी उन्हें अज्ञात वाहन (कार)ने टक्कर मार दिया। जिससे बेचन लाल केसरी व उनके दामाद राजेश केसरी बुरी तरह से घायल हो गए। घायलों को ग्रामीणों की मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेजा ले जाया गया। जहां घायलों की हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने प्राथमिक इलाज कर उन्हें जिला अस्पताल भेज दिया।

पंचायत चुनाव छ महीने बीत गए गांवो में विकास की धुरी प्रधान परेशान

अखंड भारत संदेश

करछना। उत्तर प्रदेश सरकार ने गांवो में विकास कार्य को बढावा देने के लिए बीते छ महीने पहले पंचायत चुनाव करा चुकी है, बावजूद उसके गांवो के विकास की धुरी कहें जाने वाले मुखिया प्रधानो के हाथ खाली पड़े हैं । इसे सरकारी तंत्र की लापरवाही कहें या सरकार की नाकामी । विकास खंड करछना में अस्सी ग्राम पंचायतों में लगभग सभी पंचायतों में डोंगल एक्टिवेट न होने की वजह से विकास कार्य की धुरी ठप हैं, वित्तीय अधिकार विहीन होने की समस्या उत्पन्न होने के कारण गांव के विकास की धुरी कहें जाने वाले मुखिया प्रधान , ब्लाक के संक्षम अधिकारियों के दफ्तरों की गणेश परिक्रमा कर रहे हैं । वहीं दूसरी ओर अधिकांश ग्राम पंचायतों में अभी खाते तक नहीं खुल सकें है, कारण पंचायत सचिवो और प्रधानो के बीच तालमेल न होना बताया जा रहा है ।, सिर्फ मौखिक आदेश पर उन्हे निर्देशित किया गया है । पंचायत सचिवो को भी छ महीने बाद हो गयें पंचायत चुनाव के बाद भी दर्जन भर से अधिक गांवो में वित्तीय अधिकार से वंचित रक्खा गया है। विकास खंड करछना के बसरिया, करछना, रोकडी, डाडो आदि ग्राम पंचायतों के अभी खाते तक नहीं खुल सकें है, तों विकास कार्य की बात कोशों दूर की बात है । कुछ ग्राम पंचायतों में प्रधानो द्वारा लाखों रुपए के उपर नाली खडंजा, इंटर लॉकिग आदि कार्य कराया हैं, वे भी महिनों से वे भी डोंगल एक्टिवेट न होने की वजह से भुगतान केलिए काफी हद तक अपने जेब से खर्च करके कंगाल बन कर डोंगल एक्टिवेट होने का इन्तजार कर रहे हैं । सचिव का डोंगल एक्टिवेट न होने वाले गांव चनैनी, डीहा, देवरी कला, बबुरा, बसही, खजुरौल, गडैला, बेदो, तरौल, घीसन का पूरा आदि ऐसे पचास से अधिक गांव के पंचायत सचिव के डोंगल जैसे वित्तीय अधिकार से वंचित रह गये हैं, अभी तक जो भी कार्य कुछ गांवो में कराए गए हैं वह सिर्फ मनरेगा कार्य तक सीमित है । इस बावत एडीओ पंचायत विकास खंड करछना विवेक कुमार मिश्रा नें बताया कि सचिवो के हस्तांतरण की वजह का कारण बताया और डोंगल एक्टिवेट के लिए ऊपर के अधिकारियों के पास भेजा गया है जैसे ही प्रक्रिया बहाल होगी तत्काल गांवो में कराएं गये कार्यो का भुगतान कीं समस्या पटरी पर दौडने लगेगी फिल हाल देखना होगा अभी प्रधानो एवं पंचायत सचिवो की समस्या पटरी पर लाने के लिए अभी कितना और इन्तजार करना पड सकता हैं ।

एस. आर. सिंह आर. बी. सिंह महाविद्यालय
मोतिहां, हण्डिया, प्रयागराज

आवश्यता है

बी. एड.-संकाय हेतु - विभागाध्यक्ष-01 पद
सहायक आचार्य - वनस्पति/जन्तु विज्ञान- 01 पद
सहायक आचार्य - मनोविज्ञान- 01 पद
सहायक आचार्य - (भूगोल/इतिहास) 01 पद
सहायक आचार्य - (आधारिक विषय शिक्षाशास्त्र) 01 पद

परस्नातक कला कक्षाओं हेतु - सहायक आचार्य-हिन्दी - 01 पद
सहायक आचार्य - संस्कृत- 01 पद
सहायक आचार्य - समाजशास्त्र - 01 पद
सहायक आचार्य - प्रा.भा.इतिहास - 02 पद

स्नातक कला संकाय हेतु - सहायक आचार्य-हिन्दी साहित्य - 01 पद
सहायक आचार्य - गृहविज्ञान- 01 पद
सहायक आचार्य - समाजशास्त्र - 01 पद
सहायक आचार्य - शिक्षाशास्त्र- 01 पद

स्नातक विज्ञान संकाय हेतु - सहायक आचार्य-गणित - 01 पद
सहायक आचार्य - भौतिक विज्ञान- 01 पद
सहायक आचार्य - रसायन विज्ञान - 01 पद
सहायक आचार्य - वनस्पति विज्ञा- 01 पद

वाणिज्य संकाय हेतु - सहायक आचार्य- 02 पद

योग्यता एवं वेतन एन.सी.टी.ई./राज्य सरकार/विश्वविद्यालय के मानका अनुसार आवेदन की अंतिम तिथि विज्ञापन के 15 दिन के अन्दर ।

मो.: 8853264243 प्रबन्धक राम बहादुर सिंह

रोकडी गांव में दलित बस्ती के संपर्क मार्ग के लिए समाज सेवी ने की पहल

करछना। विनोद भारती उपाध्यक्ष माँ सेवा संस्थान के द्वारा दलित बस्ती , प्रजापति बस्ती, एवं ब्राह्मण बस्ती में रोड की समस्याओं को लेकर जिलाध्यक्ष विभवनाथ भारती जी से मुलाकात की और ये भी बताया कि आजादी के दशक इन समस्याओं का सामना बस्ती के लोगों को करनी पड़ रही है और इक बात की जिक्र भी माननीय जिलाध्यक्ष जी से की गयी 2011 की जनगणना की डयूटी में लगे हुए इमानदारी कर्मचारियों की वजह से दलित को 0 शून्य दिखाया गया है जबकि सौचालय सूची, आवास सूची, राशनकार्ड में दलित शामिल हैं और पूरे गाँव में दलित ओटरों की संख्या 180 के पार हैं फिर भी इतना बड़ा अन्याय ऐसे लोगों के ऊपर कार्यवाही का भी मिला आश्वासन और रोकडी गांव में दलित बस्ती के संपर्क केलिए भाजपा जिला अध्यक्ष विभव नाथ भारती संपर्क मार्ग बनाए जाने केलिए समबन्धित विभाग को निर्देश दिया ।

हरितालिका तीज से मिलता है अखंड सौभाग्य

आलोक गुप्ता

शंकरगढ़। हिंदू धर्म में करवा चौथ के व्रत की तरह ही हरितालिका तीज का अपना खासा महत्व है। दोनों व्रतों में सुहागन स्त्रियां, अखंड सौभाग्य के लिए हरितालिका तीज का व्रत रखती हैं। सर्वप्रथम इस व्रत को माता पार्वती ने भगवान शिव के लिए रखा था। हरितालिका तीज का व्रत भाद्रपद (भादौं) की शुक्ल पक्ष, तृतीया को हस्त नक्षत्र में रखा जाता है। इस दिन विशेष रूप से गौरी-शंकर का ही पूजन किया जाता है। करवा चौथ के व्रत की तरह इस व्रत में भी कई नियम हैं। करवा चौथ में चांद देखने के बाद व्रत तोड़ दिया जाता है। जबकि हरितालिका तीज में 24 घंटे निर्जला रहना पड़ता है और अगले दिन अर्थात चतुर्थी के दिन पूजन-अर्चन के पश्चात व्रत तोड़ा जाता है। इस बार हरतालिका तीज नौ सितंबर, गुरुवार को पड़ रही है। पति की लंबी उम्र और स्वास्थ्य के लिए इस व्रत की तैयारियां जोरों पर शहर में चौक, घंटाघर, खुल्दाबाद, धूमनगंज, मुंडेरा, राजापुर, कटरा, दारागंज सहित अन्य सभी छोटी-बड़ी बाजारों में आज दिनभर पूजन अर्चन से जुड़े सामानों की खरीदारी की गई। कास्मेटिक की दुकानों पर खरीदारी करने वाली महिलाओं की खासी भीड़. देखने को मिली। सिविल लाइंस व अन्य स्थानों पर मेंहदी लगवाने के लिए महिलाओं की भीड़ दिखी। मान्यता है कि हरतालिका तीज के दिन भगवान शिव और माता पार्वती का पुनर्मिलन हुआ था। माता पार्वती ने भगवान शिव को पति के रूप में पाने के लिए कठोर तप किया था। माता पार्वती के त्याग से प्रसन्न होकर महादेव ने ने उन्हें दर्शन दिया और अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार किया। इसी के बाद से सुहागिन महिलाएं इस व्रत को रखती आ रही हैं।

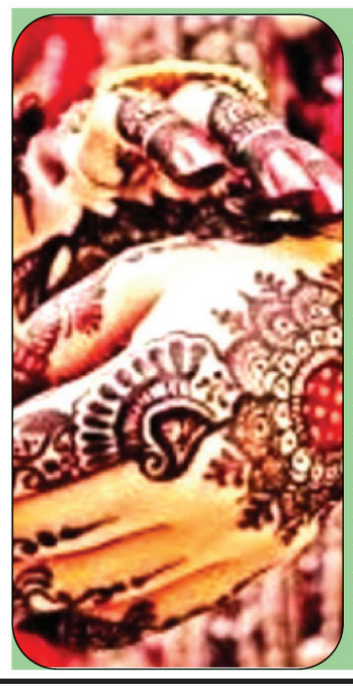

हरतालिका तीज पर पूजा मुहूर्त

तृतीया तिथिः 9 सितंबर, रात 2.33 बजे से प्रारंभ होकर 10 सितंबर की रात 12.18 बजे तक रहेगी। प्रातःकाल हरितालिका व्रत पूजा का मुहूर्त सुबह 6.03 बजे से 8.33 बजे तक। प्रदोषकाल हरितालिका व्रत पूजा का मुहूर्त शाम 6.33 बजे से रात 8.51 बजे तक

हरतालिका तीज व्रत के नियम

यह व्रत निराहार और निर्जला किया जाता है। अगले दिन सुबह पूजा के बाद जल पीकर व्रत खोलने का विधान है। महिलाएं सोलह श्रृंगार करती हैं। इस व्रत में रात्रि जागरण कर भजन-कीर्तन और भगवान का ध्यान किया जाता है।

हरतालिका तीज पूजन विधि

व्रती महिलाएं भगवान शिव, मां पार्वती और भगवान गणेश की बालू या फिर मिट्टी की प्रतिमा बनाएं। पूजा के जगह पर चौक बनाकर उसे फूलों से सजाए और एक चौकी रखें। चौकी पर केले के पत्ते बिछाएं और भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें। इसके बाद भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश का षोडशोपचार विधि से पूजन करें। मां पार्वती को सुहाग की वस्तुएं चढ़ाएं और शिव को धोती और अंगोछा ओढ़ाएं। इसके पश्चात कथा सुनें और भगवान शिव और मां पार्वती का ध्यान करें। रात्रि जागरण करें।अगले दिन सुबह आरती के बाद माता पार्वती को सिंदूर चढ़ाएं और हलवा का भोग लगाकर पारण करें।

पायलट ड्यूटी और निजीकरण के निर्णय के खिलाफ यूनियनों का विरोध

मेंस यूनियन ने स्टेशन पर किया प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। सहायक लोको पायलटों से गार्ड की डयूटी लेने संबंधी रेल मंत्रालय के आदेश के साथ ही रेल संपत्तियों के निजीकरण के फैसले का विरोध शुरू हो गया है। लोको पायलट संगठन के विरोध का बाद उत्तरीय रेलवे मजदूर यूनियन और नॉर्दर्न रेलवे मेंस यूनियन भी आदेश के खिलाफ मुखर हो गई हैं।

बुधवार को मजदूर यूनियन की शाखा पर बैठक हुई। जिसमें कर्मचारियों और नेताओं ने लोको पायलट से गार्ड का काम लेने के आदेश पर विस्तार से चर्चा हुई। जिसमें कहा गया कि अगर इस पर विचार नहीं किया गया तो मजदूर यूनियन धरना प्रदर्शन करेगी। बैठक में रेल संपत्तियों का निजीकरण करने के विरोध में केंद्रीय संगठन द्वारा तय विरोध प्रदर्शन पर भी चर्चा

हुई। शाखा मंत्री धर्मेंद्र दूबे ने कहा कि रेल संपति को निजी हाथों में देने, रात्रि और महंगाई भत्ता समेत दस मांगो को लेकर यूनियन ने 13 से 18 सितंबर तक धरना प्रदर्शन और गेट मीटिंग करने का निर्णय लिया है। प्रतापगढ़ में 17 सितंबर को धरना प्रदर्शन होगा। उधर, रेल संपत्तियों को प्राइवेट करने के आदेश का विरोध करते हुये मेंस यूनियन की शाखा ने स्टेशन पर अधीक्षक दफ्तर के सामने प्रदर्शन किया। शाखा मंत्री ने अनिल दूबे ने कहा कि केन्द्र सरकार 6 लाख करोड़ का फंड इकट्ठा करने के लिए रेलवे के 400 स्टेशन, डेडीकेटेड फ्रेट कारीडोर, स्टेडियम, रेलवे कालोनी, ओ एच ई, इत्यादि तमाम रेलवे परिसम्पत्तियों को निजी कम्पनियों को बेचने के फैसले का विरोध तथा सहायक लोको पायलट को गार्ड गुड्स के स्थान पर काम करने के आदेश के विरोध के क्रम में यह धरना प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर सहायक शाखा मंत्री अजय आनन्द किशोर , उपाध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह, सहायक शाखा मंत्री मनीष कुमार पाण्डेय, मुन्ना कुमार, सतीश कुमार सिंह, राजीव रंजन, मुकेश केवट, वीरेंद्र कुमार पटेल, विजय शंकर गौर, अजय कुमार मौर्य, सुधाकर कुमार सिंह, आशीष पाल, धीरज सिंह, मो.अनीस, हरिकेश बहादुर सरोज, पंकज कुमार, सलामत उल्ला, संजय डोगरा, एवं अजय कुमार मिश्रा इत्यादि उपस्थित रहे। लोको पायलट संग़ठन के अध्यक्ष संजय पांडेय ने बताया कि पायलट से गार्ड की ड्यूटी लेने के आदेश का उनका संग़ठन विरोध करता है।

डीएम ने विकास कार्यों के समबन्ध में अधिकारियों के साथ की बैठक

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बसंल ने कैम्प कार्यालय के सभागार में शासन की प्राथमिकता वाले विकास कार्यो एवं निर्माण कार्यो सहित अन्य महत्वपूर्ण बिन्दुओं के सम्बन्ध में मुख्य विकास अधिकारी प्रभाष कुमार एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में निराश्रित गोवंश हेतु गो आश्रय स्थल के निर्माण/संचालन की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में 02 ही वृहद गो संरक्षण केन्द्र है जिसकी देखरेख सही ढंग से नही की जा रही है और न ही उसके बारे में सही जानकारी सम्बन्धित अधिकारी को नही रहती है जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जतायी और प्रभारी मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि यदि गो संरक्षण केन्द्रों की देखरेख सही ढंग से की जाये, पशुओं को समस्त सुविधायें उपलब्ध करायी जाये अन्यथा की दशा लापरवाही करने पर सम्बान्धित पशु चिकित्साधिकारी एवं अन्य के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। पंचायती राज विभाग की समीक्षा के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि वार रूम एक्टिव किया जाये जिससे कि जनपद में तैनात सफाई कर्मियों की ब्लाक वाइज सूचना मिलती रहे कि इनके द्वारा क्या किया जा रहा है। बेसिक विभाग की समीक्षा में विद्यालयों के संतृप्त कार्य में प्रगति धीमी पायी गयी जिस पर तेजी लाने के निर्देश दिये गये।

भूमि का अधिग्रहण के बाद बैनामा कराने की ग्रामीणों ने डीएम से लगाई गुहार

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। लालगंज तहसील क्षेत्र के नौढ़िया के ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिये गये शिकायती पत्र मे कहा है कि उनके गांव के गंगा एक्सप्रेसवे सड़क परियोजना प्रस्तावित है। तहसील कर्मचारियों द्वारा उनके कब्जे वाली जमीन को चिन्हित किया गया और सहमति पत्र भी लिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि कब्जे के आधार पर उनकी भूमि का बैनामा न कराकर अंश के आधार पर बैनामा कराने का प्रयास किया जा रहा है। जिससे उनका भारी नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों की मांग है कि भूमि का अधिग्रहण करके बैनामा कराया जाय। शिकायतकर्ताओं मे मालती, शंभूनाथ, अरविंद कुमार, रामदेव, राजेश, चंद्रभान, मुकेश पाण्डेय, रामजी, राजकुमार, संजय कुमार, दिलीप कुमार व अजय कुमार आदि रहे।

मांगों को लेकर बीआरसी पर होगा धरना प्रदर्शनः रमाशंकर शुक्ल

14 सितम्बर को उ0प्र0 प्राथमिक शिक्षक संघ देगा धरना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में 14 सितंबर को सभी बीआरसी पर विशाल धरना का आयोजन किया गया है। इस क्रमी में एक समीक्षा बैठक जिला अध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

बैठक में जिला अध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल ने कहा कि उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक, शिक्षामित्र, अनुदेशक ,विशेष शिक्षक, कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के शिक्षक विभाग की उत्पीड़नात्मक कार्यवाही से त्रस्त हैं। प्रदेश के बेसिक शिक्षकों की पुरानी पेंशन, व सवा लाख विद्यालयों के प्रधानाध्यापक के पद समाप्त कर दिए गए।

पिछले 5 साल से किसी भी शिक्षक की पदोन्नत नहीं की गई है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने शिक्षा विभाग के उपरोक्त वर्णित शिक्षक बंधुओं की समस्याओं से संबंधित 21 सूत्री ज्ञापन सरकार को भेजकर समस्याओं के निराकरण की मांग की किंतु मांगे नहीं माने जाने के कारण उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने 14 सितंबर को सभी बीआरसी केंद्रों पर विशाल धरने का आयोजन किया है। संघ के जिला मंत्री विनय सिंह ने कहा कि मांगे न मानने के कारण संगठन धरना प्रदर्शन के द्वारा शिक्षकों की शक्ति का आभास शासन को कराएगा। समीक्षा बैठक में प्रभाशंकर पांडेय, मानवेंद्र द्विवेदी, राजेश पांडेय, रामानंद मिश्र, अजीत कुमार, पंकज तिवारी, सुधीर सिंह, राकेश सिंह, प्रभाकर सिंह आदि उपस्थित रहे।

हरितालिका तीज आजः बाजारों में उमड़ी महिलाओं की भीड़

महिलाएं खरीदारी के साथ हाथों में रचाई मेंहदी

प्रतापगढ़। हरितालिका तीज गुरुवार को मनाई जाएगी। इसके लिये बुधवार को बाजारों में महिलाओं की भीड़ देखी गई। बाजारों में ज्यादा भीड़ सिन्दूर, चूड़ी, श्रृंगार के सामान व कपडे की दुकानों पर थी जहां से महिलाएं ये सामान खरीद रही थी। इसके अलावा पूजा की सामग्री की भी खूब खरीदारी हुई। बता दें कि हरितालिका तीज पर अधिकांश हिन्दू महिलाएं निराजली व्रत रखकर अपने पति की लम्बी आयु, सुख समृद्धि के लिये भगवान शंकर व पार्वती की पूजा अर्चना करती हैं। इसके लिये बुधवार को ही महिलाएं अपने हाथों में मेंहदी रचाती रहीं। यह प्रव महिलाओं के लिये सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। शहर में चौक, पंजाबी मार्केट में दिन भर महिलाओं का आना-जाना लगा रहा। हरियाली तीज को लेकर घरों में साफ-सफाई की गई और पूजा सामग्री सजाकर आज से ही रख दी गई। कल निराजल व्रत रहने के कारण महिलाएं केवल उनका ध्यान पूजा अर्चना में रहता है इसलिये सारी तैयारी एक दिन पहले की जाती है।

डा0 धर्मेन्द्र बने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के विभाग प्रमुख

तीन दिवसीय अभविप की बैठक में हुआ निर्णय

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद काशी प्रान्त द्वारा अमेठी जिले के राजीव गाँधी इंजीनियरिंग कॉलेज में विगत दिनों चल रहे प्रान्त अभ्यास वर्ग में काशी प्रान्त अध्यक्ष डॉ0 अखिलेश पांडेय ने विभिन्न दायित्यों की घोषणा की जिसमें डॉ0 धर्मेन्द्र प्रताप सिंह को विभाग प्रमुख प्रतापगढ़ बनाया गया तथा डॉ0 राजेश शर्मा को जिला प्रमुख प्रतापगढ़, सुधांशु रंजन को विभाग संयोजक, रमेश पटेल को जिला संयोजक, और अमरमणि त्रिपाठी को जिला सह संयोजक बनाया गया।

तीन दिवसीय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रान्त अभ्यास वर्ग में काशी प्रान्त से आये कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया गया और सम सामयिक विषयो स्वच्छ्ता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संरक्षण, भारतीय संस्कृति का संरक्षण एवम संवर्धन पर विशद रूप से चर्चा परिचर्चा की गई।अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री घनश्याम शाही एवं प्रान्त संगठन मंत्री राम अभिलाष ने संयुक्त रूप से कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा नवीन दायित्व धारी पदाधिकारियों का फूल मालाओं से स्वागत अभिनदंन किया गया।

रेलवे स्टेशन से चलकर पदाधिकारियों ने स्वामी विवेकानंद की मूर्ति तथा सरदार भगत सिंह की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। इस अवसर पर प्रान्त अध्यक्ष डॉ अखिलेश पांडेय, विभाग संगठन मंत्री अमित देव, विभाग प्रमुख डॉ धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, विभाग संयोजक सुधांशु रंजन, जिला प्रमुख डॉ राजेश शर्मा, ज़िला संयोजक रमेश पटेल, अनिकेत, अतिथि, विश्वजीत, अक्षत श्रीवास्तव आदि लोग उपस्थित रहे।

पीबीपीजी कालेज में महिला सशक्तिकरण एवं जागरुकता कार्यक्रम सम्पन्न

विभिन्न प्रकार की समस्याओं के निवारण पर दी गई जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रताप बहादुर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, प्रतापगढ़ सिटी में महाविद्यालय के महिला परामर्शदात्री समिति के तत्वाधान में नव प्रवेशी छात्राओं की जागरुकता एवं उनसे सम्बंधित विभिन्न प्रकार की समस्याओं के निवारण तथा जागरुकता के संदर्भ में मंजिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट एवं मुख्य अतिथि हेतु महाविद्यालय द्वारा मुख्य जिला चिकित्साधिकारी प्रतापगढ़ एवं मुख्य पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ से पत्राचार के अनुक्रम में कार्यक्रम की सफलता हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी के प्रतिनिधि के तौर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में डा0 भावना भारती (उप जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी,प्रतापगढ़) तथा पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़ के प्रतिनिधि के तौर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्रुति शर्मा (मुख्य आरक्षी, महिला थाना) एवं किरण सिंह (मुख्य आरक्षी,महिला थाना) उपस्थित रहीं। डा0 भारती ने महिलाओं के स्वास्थ्य, पोषण और किशोरावस्था के संवेदनात्मक विकास पर समुचित चर्चा करते हुए उसकी प्रमुख समस्याओं और उसके

निवारण हेतु उपायों पर विस्तृत प्रकाश डाला। श्रुति शर्मा ने महिलाओं के घर से बाहर आवागमन की समस्याओं और घरेलू हिंसा से सम्बंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत परिचर्चा की। किरण सिंह ने महिला सुरक्षा व जागरुकता हेतु सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता और अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 बृजभानु सिंह व संचालन कार्यक्रम की संयोजिका रश्मि सिंह ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक एवं मुख्य कुलानुशासक डॉ. ब्रह्मानंद प्रताप सिंह एवं डॉ. वर्षा जायसवाल, डॉ0 निहारिका श्रीवास्तव, डॉ0 वंदना सिंह, डॉ0 भावना सिंह, डॉ0 रेनू सिंह (बी.एड.), प्रीति सिंह, डॉ0 प्रीति श्रीवास्तव (समाजशास्त्र) व परिचर के रूप में उर्मिला इत्यादि उपस्थित रहीं।

फर्नीचर व्यापारी की पिटाई के मामले मे दो पर मुकदमा दर्ज

लालगंज, प्रतापगढ़। रायबरेली जिले के कंदरांवा गुलाब का पुरवा निवासी दिलीप कुमार विश्वकर्मा ने कोतवाली मे तहरीर देकर कहा है कि बुधवार की सुबह सात बजे वह फरनीचर के कारोबार के सिलसिले मे वह लालगंज आया हुआ था। आरोप है कि पूरे हरिकिशुन दुबे का पुरवा निवासी दीपक पाण्डेय व एक अज्ञात आरोपी ने फर्नीचर के लेन-देन के विवाद मे उसकी जमकर पिटाई कर दी। पीडित का कहना है कि आरोपियो की पिटाई से उसका हाथ टूट गया। शिकायत पर पुलिस ने दीपक पाण्डेय समेत दोनों आरोपियो के खिलाफ मारपीट व जानलेवा धमकी देने का मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज के प्रभारी कोतवाल कमलेश पाल ने बताया कि शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

बोलेरो सवार महिला समेत दो लोगों की मौत, परिजनों मे कोहराम

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। परिवार के साथ निमंत्रण से लौट रहे ससुर व बहू की सड़क हादसे मे मौत हो गयी। रायबरेली जिले मे तेल टैंकर के बोलेरो मे टक्कर मारने से दर्दनाक हादसा हुआ। घटना की जानकारी होने पर मृतक के परिजनो मे कोहराम मच गया।

उदयपुर थाना क्षेत्र के राहाटीकर निवासी नकछेद सिंह (75) अपने परिवार के साथ मंगलवार को निमंत्रण मे शामिल होने रायबरेली जिले के लालगंज बैसवारा गये हुए थे। निमंत्रण से लौटते समय रात आठ बजे के करीब रायबरेली जिले मे राजघाट तिराहा के समीप तेल टैंकर के चपेट मे आने से बोलेरो सवार नकछेद सिंह व उनकी बहू बीना सिंह (45) की मौके पर ही मौत हो गयी। घटना मे बोलेरो सवार परिवार के अन्य सदस्य चुटहिल हो गये। घटना की जानकारी मृतक के घर राहाटीकर पहुंची तो परिजनों मे कोहराम मच गया। परिजन आननफानन में घटनास्थल पर पहुंचने के लिए निकल पड़े। बताया जाता है कि रायबरेली पुलिस ने ससुर व बहू के शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार के अन्य सदस्य पूरी तरह से सुरक्षित बताए गए है।

हिन्दू धर्म व मंदिरों के संरक्षण व विकास को मिलेगा नया आयामः समाज शेखर

सुप्रीम कोर्ट के आदेश की भयहरणनाथ धाम की प्रबंध समिति ने की सराहना

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रसिद्ध पांडव कालीन भयहरणनाथ धाम में सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश की सराहना हो रही है कि देवी देवता ही मंदिर की भूमि के मालिक हैं। साथ ही पुजारी व प्रबन्ध व्यवस्था को सेवक माना है। धाम की प्रबन्ध समिति ने बैठक करके खुशी जाहिर की है।

भयहरणनाथ धाम की प्रबन्ध समिति के महासचिव समाज शेखर ने कहा कि भयहरणनाथ धाम में यहां के समाज ने प्रारम्भ से ही सामूहिक भागीदारी को प्रोत्साहित करते हुए मंदिर का प्रबन्ध जिम्मेदारी से किया जा रहा है। जो आदेश आज सुप्रीम कोर्ट ने मंदिर के मालिक के रूप में देवता के पक्ष में निर्णय दिया है इस संदर्भ में यहां की प्रबन्ध समिति ने समय समय पर ऐसे निर्णय विगत 10 वर्षों में कई बार तय किये हैं। आज सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसकी गहन विवेचना करते हुए ऐतिहासिक फैसला दिया है जिससे हमारे हिन्दू धर्म व मंदिरों का संरक्षण व विकास प्रक्रिया को एक नया आयाम प्राप्त होगा। इस अवसर पर अध्यक्ष अरविंद नारायण त्रिपाठी, उपाध्यक्ष प्रशासन बबन सिंह, उपाध्यक्ष कार्यक्रम राज कुमार शुक्ल, कोषाध्यक्ष लालजी सिंह, सह कोषाध्यक्ष कमलेश बैश्य प्रबन्ध समिति सदस्य गण अखिलेन्द्र सिंह, अनिल मिश्र, डॉ

पी एन मिश्र, मनीराम पटेल, शत्रुघन सिंह, डॉ अशोक अग्रहरि, राज किशोर मिश्र, पूर्व प्रधान कमला कांत व प्रधान प्रतिनिधि पूरे तोरई राम पूजन पटेल आदि ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

बाइक सवार दो छात्रों की विद्युत पोल से टकराने से दर्दनाक मौत

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोचिंग से दर्शन करने के बाद बाइक से घर लौट रहे दो छात्रो की विद्युत पोल से टकराने से दर्दनाक मौत हो गयी। घटना की जानकारी के बाद रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंचे तो कोहराम मच गया। शिनाख्त के बाद पुलिस ने दोनों शवों का पंचनामा कर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। रायबरेली जिले के सलोन कोतवाली क्षेत्र के जौदहा करहिया निवासी दीपांशु (18) पुत्र शेर बहादुर अपने साथी कमालगंज रतासो निवासी सुधीर शर्मा (22) के साथ बुधवार को कोचिंग पढ़ने रायबरेली शहर गया हुआ था। कोचिंग खत्म होने के बाद दोनों छात्र सांगीपुर थाना क्षेत्र स्थित बाबा घुइसरनाथ धाम दर्शन करने पहुंच गये। दर्शन करने के पश्चात् लगभग दो बजे दोनों छात्र बाइक से अपने घर के लिए निकले। उदयपुर थाना क्षेत्र के रेहुआ लालगंज बाजार के समीप बापू इण्टर कालेज के सामने विद्युत पोल से छात्रों की अनियंत्रित बाइक जा भिड़ी। हादसे मे दोनों छात्रों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी।

सीजनल और स्थानीय खाद्य पदार्थों को दें तरजीह : जिलाधिकारी

राष्ट्रीय पोषण माह का जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने किया शुभारंभ

बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग के बैनर तले निकली जागरुकता रैली

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने आज 'राष्ट्रीय पोषण माह' का शुभारंभ किया, साथ ही बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग की जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

जिला पंचायत सभागार से निकली जागरुकता रैली विभूति नारायण राजकीय इंटर कॉलेज तक गई। लोगों को पोषण के प्रति जागरुक करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि यह अभियान जन आंदोलन एवं सामुदायिक भागीदारी के साथ सफल बनाना है। राष्ट्रीय पोषण माह के प्रत्येक सप्ताह में विभिन्न जागरुकता कार्यक्रम

आयोजित किए जाएंगे। प्रथम सप्ताह में आंगनबाड़ी केंद्रों, स्कूलों, पंचायत व अन्य सरकारी भवनों में खाली भूमि पर पोषण वाटिका विकसित करने के लिए पौधारोपण किया जाएगा। द्वितीय सप्ताह में गर्भवती महिलाओं, बच्चों एवं किशोरियों के लिए योगा सेशन का आयोजन किया जाएगा।

पूरे महीने चलने वाले इस अभियान में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इस प्रकार अभियान के तहत पोषण वाटिका, योगा सेशन, न्यूट्रीशियन किट के वितरण के साथ ही लोगों को इसके प्रति जागरुक भी किया जाएगा। पोषण वाटिका की स्थापना के तहत परियोजना कार्यालय में आम एवं अमरुद के पौधों का रोपण किया गया। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी ने कहा कि सामुदायिक लामबंदी सुनिश्चित करने और लोगों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए, हर साल सितंबर के महीने को पूरे देश में पोषण माह के रूप में मनाया जाता है। उन्होंने बथुआ, पालक, नींबू, आम, ऑवला, अमरूद आदि के सेवन पर बल दिया। कहा कि पोषण माह के दौरान देश भर में जमीनी स्तर तक पोषण जागरूकता से संबंधित गतिविधियां चलाई जाएंगी। इसमें महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों को शामिल किया गया है। आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी कार्यकत्री को भी जागरुकता की जिम्मेदारी दी गई है। इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी बलेश्वरधर द्विवेदी, डीपीओ मंजी वर्मा, एवीएम डीसी सहित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

शरीर की क्षमता में ही छिपा है शरीर का इलाज

कोरोना के बाद होने वाली समस्या में फिजियोथेरेपी सबसे अधिक कारगर

अखंड भारत संदेश

भदोही। वेलनेस फिजियो सेंटर द्वारा रजपुरा में विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें वक्ताओं ने इस दिवस पर प्रकाश डालते हुए कहा कि फिजियोथेरेपी द्वारा दूर होने वाली बीमारियों के लिए जानकारी नहीं होने से लंबे समय से लोगों अंग्रेजी दवा खाकर सिर्फ दर्द से राहत मिलता है। जबकि फिजियो ही उसका असली उपचार है। दवा से कुछ देर की राहत के बाद फिर दवा पर निर्भरता की स्थिति बन जाती है, जोकि हमारे शरीर के लिए सही नहीं है। दरअसल हमारे शरीर की क्षमता में ही शरीर का इलाज छुपा है।

फिजियोथैरेपिस्ट

शैलेश पाठक ने कहा कि इसे फिजियोथेरेपी पद्धति ने पहचाना और लोगों का इलाज बिना दवा-गोली के होना शुरू हुआ। यह पद्धति आज काफी लोकप्रिय है। फिजियोथैरेपी द्वारा मांसपेशियों, जोड़ों, हड्डियों-नसों के दर्द या तकलीफ वाले हिस्से की वैज्ञानिक तरीके से आधुनिक मशीनों, एक्सरसाइज, मोबिलाइजेशन और टेपिंग के माध्यम से मरीज को आराम पहुंचाना। फिजियोथेरेपिस्ट बताते हैं की आज की जीवनशैली में हम लंबे समय तक अपनी शारीरिक प्रणालियों का सही ढंग से उपयोग नहीं कर पा रहे हैं और जब शरीर की सहनशीलता नहीं रहती है तो वह तरह-तरह की बीमारियों व दर्द की चपेट में आ जाता है। फिजियोथेरेपी को अपनी जिंदगी का हिस्सा बनाकर दवाइयों पर निर्भरता कम करके स्वस्थ रह सकते हैं। किया। मैकेनिकल एवं ऑर्थोपेडिक डिसऑर्डर से लेकर जीवनशैली संबंधी बीमारियों में यह चिकित्सा पद्धति वरदान के रूप में है। फिजिओथेरेपी मेडिकल साइंस की ऐसी प्रणाली है, जिसकी सहायता से जटिल रोगों का इलाज आसानी से किया जाता है। हालांकि, भारत में इसके प्रति जागरूकता बढ़ रही है। कार्यक्रम में रमेश, संदेश, शिल्पी, रुचि, राजेश, संतोष आदि ने विचार व्यक्त किया।

कबड्डी प्रतियोगिता 10 को

चौरी। क्षेत्र के मानसिंहपुर गोहिलाव स्थित खेल मैदान में शुक्रवार को कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। जानकारी देते हुए आयोजक राजेश पटेल ने बताया कि दोपहर बारह बजे से प्रतियोगिता शुरू होकर रात तक चलेगी। जिसमे अंर्तजनपदीय खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरूद्ध त्रिपाठी करेंगे।

जागरुकता प्रदर्शनी आज

भदोही। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी जवाहर लाल ने बताया कि चौरी-चौरा शताब्दी/अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा एक दिवसीय लघु प्रदर्शनी/जागरूकता शिविर का आयोजन नौ सितंबर को किया जा रहा है। यह आयोजन ग्राम डभका, हनुमान मंदिर के पास पूर्वाह्न 11 बजे से होगा। प्रदर्शनी/जागरूकता शिविर मुख्य अतिथि विधायक औराई दीनानाथ भाष्कर होंगे।

सपा ही कर सकती है समता मूलक समाज की स्थापना : विकास

भाजपा सरकार नहीं दूर कर पा रही है बेरोजगारी : अजीत विधायक

अखंड भारत संदेश

भदोही। समाजवादी छात्र सभा का संगठन विस्तार एवं समीक्षा बैठक बुधवार को ज्ञानपुर के कंसापुर गांव में स्थित पार्टी के जिला कार्यालय में हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष अजीत विधायक ने नए पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपा और बैठक कर समीक्षा की।

इस दौरान अजीत विधायक ने कहा कि छात्र व नौजवान देश के भविष्य है। अपने भविष्य की चिंता करना सभी का मौलिक अधिकार है। आने वाला कल हमारा कैसा होगा। इसको देखते हुए सरकार चुनना है। सरकार ऐसी हो जो हम नौजवानों को बेरोजगारी से मुक्ति दिला सके और पढ़ने के लिए अच्छे विद्यालय व फीस पर लगाम लगा सके। लेकिन भाजपा सरकार न तो नौजवानों की बेरोजगारी दूर कर पा रही है और न ही फीस पर लगाम लगा रही। फीस इतना बढ़ा दिया गया कि गरीब का बेटा पढ़ नहीं पा रहा।

उन्होंने कहा कि हम और आप छात्र जीवन से ही संघर्ष की राजनीति करने व अपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए तैयार हैं। लेकिन केएनपीजी ज्ञानपुर में तो छात्र संघ का चुनाव नहीं हो रहा है। उन्होंने ऐसी सरकार को उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। वहीं पार्टी जिलाध्यक्ष बाल विद्या विकास यादव ने कहा कि छात्र जीवन में समता मूलक व्यवस्था लागू होती है। समता मूलक की स्थापना के लिए समाजिक न्याय की लड़ाई ही समाजवादी आंदोलन है। प्रदेश में समता मूलक समाज की स्थापना सिर्फ व सिर्फ समाजवादी पार्टी व पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव कर सकते हैं।इस मौके पर स्वतंत्र बिंद, विशाल मिश्र, जितेन्द्र यादव, दीपक यादव अज्जू, रिजवान, विष्णु यादव, ईश्वर चंद यादव, राहुल गौतम, गोरखनाथ पांडेय, अंकित पांडेय, विजय यादव, श्यामधर यादव, संदीप यादव, रविशंकर यादव व राहुल यादव आदि मौजूद रहे। अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष लवकुश यादव व संचालन सयुस के जिलाध्यक्ष बाबा बिंद ने किया।

उत्कृष्ट प्रदान करने वाले शिक्षकों को मिला सम्मान

अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर भुलईपुर में समारोह का आयोजन

अखंड भारत संदेश

भदोही। अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस, आठ सितंबर के मौके पर कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय भुलईपुर, भदोही में जनपद के शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति मिशन शिक्षण संवाद के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां वीणापाणि की वंदना से हुआ।

'शिक्षा का उत्थान, शिक्षक का सम्मान' की थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम के चीफ गेस्ट जिला पंचायत अध्यक्ष अनिरुद्ध त्रिपाठी रहे, जबकि राजेन्द कुमार बघेल, विसुन प्रसाद कनौजिया, अवधेश कुमार कनौजिया, डायट प्रवक्ता रविरंजन सिंह, अरविंद कुमार

सोनकर ने बतौर विशिष्ट अतिथि कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। समारोह के शुभारंभ मौके पर छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्रधानाध्यापक आशीष सिंह ने अतिथियों का बैज लगाकर और माल्यार्पण कर स्वागत किया। ततपश्चात विद्यालय के स्टाफ संजय कुशवाहा, अखिलेश कुमार, अरविंद कुमार पाल, ज्योति कुमारी, मानिकचंद्र यादव, विनोद कुमार का भी माल्यार्पण कर अंगवस्त्रम प्रदान किया गया। उच्च प्राथमिक विद्यालय भुलईपुर के सभी स्टाफ सहित विद्यालय में विशेष योगदान प्रदान करने वाले छविनाथ, राजू यादव को विशेष सम्मान प्रदान किया। इस दौरान अध्यक्ष द्वारा राजू यादव को 1000 रुपये, विद्यालय को 5000 रुपये, सदस्य विसुन प्रसाद ने राजू यादव को 1000 रुपये प्रदान किया। प्रधानाध्यापक आशीष सिंह ने विद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत कर विद्यालय का नाम रोशन करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाओं में सतगुरु प्यारी श्रीवास्तव, पुष्पा अग्रवाल, मंगला प्रसाद, उर्मिला देवी, बीएल पाल, अंजली जायसवाल, छाया पांडेय, अखिलेश मौर्य, विनोद कुमार, राजेंद्र पटेल, धर्मेंद्र कुमार यादव, रविशंकर, चंद्रभूषण को समानित किया।

1000 सवालों का जवाब देकर बच्चों ने जीता दिल

इसके अलावा जिपं अध्यक्ष के द्वारा सभी को उपहार व मिशन की पत्रिका भेंट की गई। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा 1000 प्रश्नों का जवाब देकर अपनी अनूठी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सबको आश्चर्य चकित कर दिया। इस प्रदर्शन पर जिपं अध्यक्ष ने बच्चों को 500-500 रुपये का पुरष्कार प्रदान किया। मिशन की कोर टीम के द्वारा आशीष सिंह को राज्य अध्यापक पुरष्कार प्राप्त होने पर स्मृतिचिन्ह, ट्राफी प्रदान की गई। इस मौकेपर अखिलेश कुमार, अरविंद कुमार पाल, ज्योति कुमारी, मानिक चंद्र यादव, विनोद कुमार, तेज बहादुर पाल, राज नारायण पाल, समर बहादुर पटेल, श्रीकांत पटेल, यास्मीन बानो, हरिशंकर यादव, मनीष पांडेय, दिनेश कुमार मौर्य मौजूद रहे।

आपरेशन कायाकल्पः बीडीओ ने समीक्षा और बीईओ ने किया निरीक्षण

विकास खंड ज्ञानपुर के 164 विद्यालयों का किया जाना है कायाकल्प

अखंड भारत संदेश

ज्ञानपुर। परिषदीय विद्यालयों की सेहत सुधारने के उद्देश्य से चलाए जा रहे आपरेशन कायाकल्प योजना की आज समीक्षा की गई। विकास खंड ज्ञानपुर मुख्यालय में बीडीओ नवीन गुप्ता ने आपरेशन कायाकल्प के कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी कार्यों को गुणवत्तापरक करवाने का निर्देश दिया। इस दौरान बीईओ ने आपरेशन कायाकल्प के कार्यों का मुआयना भी किया।

विकास खंड कार्यालय ज्ञानपुर के सभागार में आयोजित साप्ताहिक बैठक में खंड विकास अधिकारी ने आपरेशन कायाकल्प के तहत करवाए जा रहे सभी 19 बिंदुओं पर जानकारी प्राप्त की। इसमें बीडीओ को बताया गया कि विकास खंड ज्ञानपुर में कुल 164 प्राथमिक विद्यालयों में आपरेशन कायाकल्प के तहत 19 पैरामीटर्स पर कार्य करवाया जाना है। इसमें से कुल 29 विद्यालयों में आपरेशन कायाकल्प का कार्य शुरू करवा दिया गया गया है। जिसे शीघ्र ही पूरा कर लिया जाएगा। विकास खंड ज्ञानपुर में कुल 164 प्राथमिक

प्रथम चरण में ब्लाक के कुल 29 परिषदीय विद्यालयों में हो रहा कार्य

विद्यालय हैं। जिसमें नौ विद्यालय नगर पंचायत क्षेत्र में हैं, जिनका कार्य नगर पंचायत के द्वारा करवाया जाना है, जबकि ग्रामीण क्षेत्र के 155 विद्यालयों में कार्य करवाने की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत विकास अधिकारियों को सौंपी गई है। समीक्षा के दौरान बीडीओ ने सभी कार्यों को गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए समय से पूरा करवाने का निर्देश दिया, साथ ही अवशेष स्कूलों में अविलंब कार्य शुरू करवाने के लिए निर्देशित किया।दूसरी तरफ खंड शिक्षा अधिकारी रवींद्र शुक्ल ने ज्ञानपुर क्षेत्र के उन विद्यालयों का भ्रमण भी किया, जहां पर आपरेशन कायाकल्प के तहत कार्य करवाया जा रहा है। भ्रमण के दौरान बीईओ ने कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने की हिदायत दी। समीक्षा बैठक के दौरान प्रमुख प्रतिनिधि अखिलेश्वर प्रताप सिंह, बीईओ रवींद्र शुक्ल, एडीओ (पंचायत) रमाशंकर मिश्र, सहित 14 ग्राम पंचायत विकास अधिकारी भी मौजूद रहे।

करियांव पीएससी का सीएमओ ने किया निरीक्षण

मोढ़। मुख्य चिकित्सा अधिकारी सन्तोष कुमार चक बुधवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र करियॉव का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति पंजिका के अवलोकनापरान्त पाया गया कि प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. धर्मेंद्र कुमार वर्मा दो दिन से व वार्ड ब्वाय सुनील कुमार बुधवार को अनुपस्थित पाये गये। मौके पर शेष अन्य कर्मचारी व फार्मासिस्ट उपस्थित पायी गयी। सीएमओ के निरीक्षण में चिकित्सालय में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं पायी गयी, चिकित्सालय परिसर में बड़े-बड़े घास उगे थे, जिससे सीएमओ द्वारा फार्मासिस्ट को निर्देशित कर अपने समक्ष मजदूर लगवाकर सफाई कार्य प्रारम्भ कराया गया। इस दौरान ग्राम सभा करियॉव में डेंगू अभियान के अर्न्तगत घर-घर सर्वे कार्य का सीएमओ ने निरीक्षण किया। जिसमें मौके पर आशा चन्दा देवी, आशा, शशि देवी उपस्थित पायी गयी, वहीं आंगनबाड़ी निशा देवी अनुपस्थित पायी गयी। सीएमओ ने चिकित्सा अधीक्षक सीएचसी सुरियावां को अनुपस्थित पाये गये ।

शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए दिए गए टिप्स

अखंड भारत संदेश

भदोही। डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में मिशन शक्ति के अंतर्गत प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण बालिका सुरक्षा शपथ और परामर्श सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ प्राचार्य प्रो. डॉ. मुरलीधर राम ने किया। प्राचार्य ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों को बालिका सुरक्षा शपथ दिलाते हुए नारी सुरक्षा, स्वावलंबन और सम्मान के लिए सदैव प्रयास करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि लड़का और लड़की में भेदभाव करने से लड़कियों में हीन भावना आ जाती है जो समय के साथ मानसिक रोगों को बढ़ावा देता है। परिणाम स्वरूप परिवार और समाज का विकास बाधित हो जाता है।

कार्यक्रम का संचालन कर रही, रेंजर्स प्रभारी डा. भावना सिंह ने बताया कि परामर्श सत्र में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, भदोही से चिकित्सक डा. श्वेता यादव और डा. गरिमा ने छात्राओं की काउंसलिंग की और उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए विभिन्न प्रकार के टिप्स दिए। नियमित रूप से योगा करने, पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन, एक्सरसाइज, अच्छी पुस्तकें पढ़ने तथा अपने किसी एक शौक को मन लगाकर पूरा करने की सलाह दी। नवगठित बालिका हेल्थ क्लब के सदस्यों को आकस्मिक दुर्घटना या चोट लगने, सर्पदंश, जल जाने पर, डूबने पर किए जाने वाले प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण दिया। चिकित्सकों की टीम ने प्राथमिक उपचार किट में शामिल की जाने वाली आवश्यक दवाइयों बीटाडीन, रूई, पट्टी, दर्द निवारक मल्हम और दवाई, उल्टी की दवा, ब्लेड, कैंची, छोटी रस्सी, पेरासिटामोल आदि के बारे में बताया और उनका कब और कैसे कैसे प्रयोग करना है की जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन जनसंपर्क अधिकारी डा. आशुतोष कुमार श्रीवास्तव ने दिया।

आवेदन कर उठाएं विवाह योजना का लाभ

सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन 22 सितंबर को

अखंड भारत संदेश

भदोही। जिला समाज कल्याण अधिकारी महेंद्र यादव ने बताया कि विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत अनुसूचित जाति, पिछड़ा जाति, सामान्य वर्ग एवं अल्पसंख्यक सामुदाय के जो भी माता-पिता/अभिभावक अपनी पुत्री की शादी सामूहिक रूप से करने के इच्छुक हैं, वे विवाह के लिए अपना पंजीकरण खंड विकास अधिकारी/ अधिशासी अधिकारी के कार्यालय में कराते हुये अपना आवेदन पत्र उनके कार्यालय में जमा करें।

सामूहिक विवाह के आवेदन हेतु माता-पिता की वार्षिक आय दो लाख रुपये से कम एवं कन्या व वर की उम्र 18 व 21 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। सामूहिक विवाह योजना के तहत शासन द्वारा प्रति वैवाहिक जोड़ा 51000.00 व्यय किये जाने का प्रावधान है, जिसमें 35000.00 कन्या के खाते में, 10000.00 रुपये का उपहार प्रदान किया जाता है। जबकि छह हजार रुपये वैवाहिक समारोह के इंतजाम और खाने-पीने पर खर्च किया जाएगा।सामूहिक वैवाहिक कार्यक्रम का आयोजन 22 सितंबर को विभूति नारायण राजकीय इंटर कालेज ज्ञानपुर में किये जाने के लिए प्रस्तावित है। अपनी कन्या की सामूहिक रूप से शादी करने के इच्छुक व्यक्ति अपना रजिस्ट्रेशन तत्काल कराना सुनिश्चित करें।

महिलाओं को दिलाया गया साक्षरता का संकल्प

विश्व साक्षरता दिवस पर आयोजित हुआ कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

भदोही। पढ़ी लिखी जब होगी माता, घर की बनेगी भाग्य विधाता। इसी प्रेरणा के साथ गुडवीव इंडिया टीम ने अपने बालमित्र समुदाय के ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को हस्ताक्षर करना सिखाने के लिए आज विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर विभिन्न समुदायों में हस्ताक्षर सीखो अभियान चलाया। जिसमें लगभग 300 महिलाओं ने हिस्सा लिया। इस दिन का पूरे विश्व में बहुत ही ज्यादा महत्व है। विश्व साक्षरता दिवस का मुख्य उद्देश्य समाज के हर वर्ग के लोगों तक ज्ञान पहुंचाना है, क्योंकि निरक्षरता अंधेरे के समान है, जिसमें मनुष्य का जीवन कठिनाइयों से भरा रहता है और अच्छा जीवन व्यतीत करने के लिए लोगों का साक्षर होना बेहद जरूरी है। साक्षरता से ही लोगों का और समाज का भला हो सकता है। निरक्षरता की समस्या ग्रामीण क्षेत्र में अधिक देखने को मिलती है और समुदाय को निरक्षरता के इस अभिशाप से बचाने के उद्देश्य से गुडवीव इंडिया टीम ने मिर्जापुर, भदोही और वाराणसी जिले कई समुदायों में कोविड बचाव के नियम को ध्यान में रखते हुए व्यक्तिगत दूरी, मास्क, सेनिटाइजर आदि का उपयोग करते हुए हस्ताक्षर सीखो अभियान चलाया। इस अभियान के अन्तर्गत समुदाय के लोगों को साक्षरता के महत्व को समझाया गया और उन्हें एक शिक्षित समाज की अच्छाइयों के बारे में बताते हुए हस्ताक्षर करना सिखाया गया। जिसमें से 250 से ज्यादा महिलाओं ने हस्ताक्षर करना सीख भी लिया। महिलाओं द्वारा खुद का नाम पहली बार लिखने के बाद उनके चेहरे पर एक अलग ही खुशी देखने को मिली। विमला देवी वनवासी बस्ती अनेई वाराणसी ने कहा कि मैं भी अपना हस्ताक्षर कर सकती हूं कभी सोचा भी नहीं था। पर आज मैने अपना नाम लिखना सीख लिया है। बार-बार लिखकर अभ्यास करके अब मैं भी अंगूठा की जगह हस्ताक्षर करूंगी। इस हस्ताक्षर सीखो अभियान में जयप्रकाश सुरेंद्र कुमार मौर्य, डा.. भोलानाथ मौर्य, हीरामणी, शोएबा अंसारी सहित समुदाय कार्यकर्ता के रूप में इंदु देवी, अनीता मौर्या, नंदनी, बिंदु देवी, दीपा, संगीता बिंद, पंचदेव, रेनू देवी, प्रमिला पटेल, सरिता मौर्या, रिशु मौर्या, ज्योति पटेल, सरोज, मीरा देवी, निशा मौर्या, नीलम, निशा साहू, नीतू कुमारी, अजरा खातून, सुशीला देवी, सरिता एवं चंद्रभूषण आदि का पूरा सहयोग महत्वपूर्ण एवं सराहनीय रहा।

सम्पादकीय

ट्राइब्यूनल पर टकराव

अदालत को हैरानी इस बात पर थी कि बार-बार कहने और मौजूदा कानूनों के तमाम प्रावधानों का पालन करते हुए नाम भेजे जाने के बावजूद नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न ट्राइब्यूनल में खाली पड़े पदों को भरने में हो रही देरी को लेकर असाधारण सख्ती दिखाई है। उसने कहा है कि लगता है जैसे सरकार के मन में इस कोर्ट के लिए कोई सम्मान नहीं है। वह हमारे धैर्य की परीक्षा ले रही है। केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने एक सप्ताह के अंदर नियुक्तियां करने को कहा। अदालत को हैरानी इस बात पर थी कि बार-बार कहने और मौजूदा कानूनों के तमाम प्रावधानों का पालन करते हुए नाम भेजे जाने के बावजूद नियुक्तियां नहीं की जा रही हैं। सरकार की ओर से इसका कोई ढंग का स्पष्टीकरण भी पेश नहीं किया जा सका कि आखिर नियुक्तियां न किए जाने की क्या वजह रही। लेकिन मामला सिर्फ नियुक्तियों तक सीमित नहीं। अदालत की नाराजगी सरकार की ओर से पिछले महीने लाए गए ट्राइब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट को लेकर भी है। इससे मिलते-जुलते प्रावधानों वाले पिछले कानून को सुप्रीम कोर्ट रद्द कर चुका है। इसके बावजूद वैसे ही प्रावधान नए कानून की शक्ल में लाए गए। शीर्ष अदालत ने इस पर तीखी आपत्ति करते हुए कहा कि हम किसी कानून के खिलाफ फैसला देते हैं, आप कुछ दिनों बाद वैसा ही नया कानून ले आते हैं। यह एक पैटर्न सा बनता जा रहा है। निश्चित रूप से यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। इससे ऐसा संदेश जा सकता है कि सरकार सुप्रीम कोर्ट के फैसलों की परवाह नहीं करती।

अदालत ने जिम्मेदारी और अधिकारों की बारीक सीमा को रेखांकित करते हुए स्पष्ट किया कि सरकार फैसले का मुख्य संदेश ग्रहण करते हुए उसके अनुरूप नया कानून बना सकती है, वह किसी फैसले के आधार को भी बदल सकती है, लेकिन फैसले की मुखालफत करते हुए कोई नया कानून नहीं बना सकती। फैसले का आधार बदलने और मुखालफत करने के बीच सुप्रीम कोर्ट द्वारा बताए गए अंतर पर थोड़ा गौर किया जाए तो साफ होता है कि सरकार किसी खास कानून में संशोधन करके कोर्ट द्वारा की गई उसकी पिछली व्याख्या के आधार को और विस्तृत कर सकती है, जिससे हो सकता है अगली बार कानून की वह व्याख्या बदल जाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट कानून के जिस प्रावधान को खारिज करे, वही प्रावधान फिर से लाए जाएं तो यह कोर्ट के फैसले का उल्लंघन हो जाता है। इसे ठीक नहीं माना जा सकता। वैसे यह भी सच है कि अभी इस मामले की सुनवाई चल ही रही है और केंद्र सरकार द्वारा अपना पक्ष रखा जाना बाकी है। अभी यह मानना मुनासिब होगा कि वह सुप्रीम कोर्ट के फैसलों की गंभीरता को समझती है। लेकिन किसी भी वजह से अगर सुप्रीम कोर्ट को लगता है कि किसी मामले में उसके आदेशों की अनदेखी हुई है तो सरकार को इस मामले की तह तक जाते हुए उसके कारणों का पता लगाना चाहिए और उन्हें अविलंब दूर करना चाहिए।

चलो, एक न्यायपरक और समतामूलक समाज की ओर चलें

डॉ. सुधा कुमारी

प्रकृति ने इस धरती पर सब तरह के जीव-जन्तु बनाए हैं। सबके लिए धूप-हवा-पानी और भोजन की व्यवस्था की है। सभी जीवों में प्राण और शरीर की व्यवस्था की है। सभी जीवों के अंदर मूल भावनाएँ भी दी हैं, जैसे-भूख-प्यास, जीने की इच्छा, प्रेम। मानव प्रजाति को तो प्रकृति ने एक उन्नत और उर्वर मस्तिष्क भी दिया है जिससे वह कई महान कार्य करता है। फिर भी यह विश्व सुखी और शांत क्यों नहीं है? दुनिया में सब कुछ प्राप्त करने के बाद भी मानव प्रजाति के पास शांति क्यों नहीं हैं? कभी देशों और महादेशों के बीच युद्ध, कभी सरकार और जनता के बीच टकराव, कभी उच्च वर्ग द्वारा निर्धन वर्ग का शोषण, कभी निम्न आय वर्ग द्वारा उच्च वर्ग के साथ लूटपाट, पॉकेटमारी और सामाजिक अपराध, कभी पुरुष वर्ग द्वारा स्त्री का शोषण और अपराध और कभी स्त्री द्वारा पुरुष पर अत्याचार- आखिर इसका कारण क्या है और इसका निदान क्या है? इस पर शोध करने की आवश्यकता है और प्रबुद्ध लोगों द्वारा काफी मनन चिंतन की आवश्यकता है। जब तक पूरे समाज का संतुलित विकास नहीं होगा, उसके सभी अंगों और वर्गों का सर्वांगीण विकास नहीं होगा, जब तक अलग-अलग हिस्सों में धूप-छाँव का खेल चलता रहेगा, तब तक समाज और विश्व में संघर्ष चलता रहेगा। इसलिए तरह-तरह की असमानताएँ या विषमताएँ और असंतुलन जो विश्व के हर हिस्से में फैली हुई है, उसे न्यूनतम करना होगा। असंतुलित और असमान समाज से निकलकर एक न्याय परक और समता मूलक समाज की ओर बढ़ना होगा। जीवन-प्रवृत्ति (लाइफ इन्स्टिंक्ट) एक सामान्य और मौलिक प्रवृत्ति है। इसके अंतर्गत, सामान्य प्रवृत्तियाँ जैसे भूख-प्यास, जीने की इच्छा, नींद, बच्चों से प्रेम, साथी से प्रेम, अपने झुंड के प्रति वफादारी और सुरक्षा की आवश्यकता- सभी जीवों में होती हैं। किन्तु एक अन्य मौलिक प्रवृत्ति भी है जो करीब-करीब सभी प्रजातियों में पाई जाती है जिसे मनोविज्ञान मृत्यु-प्रवृत्ति (डेथ इन्स्टिंक्ट) के नाम से पुकारता है। जहाँ जीवन-प्रवृत्ति (लाइफ इन्स्टिंक्ट) जीवों को प्रेम, विकास और वंश वृद्धि की ओर उन्मुख करती है, वहीं मृत्यु-प्रवृत्ति जीवों को क्रोध, हिंसा और विध्वंस की ओर उन्मुख करती है। इस प्रवृत्ति के कारण हिंसा, अपराध और युद्ध का उन्माद देखने को मिलते हैं। मौलिक (बेसिक) प्रवृत्ति होने के कारण ये भावनाएँ पूर्णतः समाप्त नहीं हो सकतीं किन्तु उसपर नियंत्रण बहुत आवश्यक है और इसकी शिक्षा बचपन से ही मिलनी चाहिए। 'अहिंसा परमोधर्मः' ऐसी धारणा सिर्फ भारत की है, पूरे विश्व की नहीं। और भारत में भी यह धारणा हर किसी व्यक्ति की नहीं है। यदि ऐसा होता तो पूरा देश संत-मुनियों से भरा होता। जीव-हत्या, बलिप्रथा, मारपीट, शारीरिक अत्याचार-इन सभी के कारण और उद्देश्य अलग-अलग हैं, जैसे भोजन के कारण जीवहत्या होती है, किसी अदृश्य शक्ति या देवता को प्रसन्न करने के कारण बलि होती है, झगड़े या विवाद के कारण मारपीट और मानसिक रुग्णता के कारण शारीरिक अत्याचार होता है। किन्तु कारण अलग-अलग होने के बावजूद उसका प्रभाव एक जैसा होता है क्योंकि इन सभी क्रियाओं से जीव को घातक चोट लगती है और वह दर्द से तड़पता है।

एक सैनिक द्वारा युद्ध में लड़ने का कारण देशभक्ति की उत्तम भावना है। किन्तु युद्ध का उन्माद और वातावरण पैदा करना कुछ लोगों की कार्य-योजना होती है, सोची-समझी साजिश होती है। कोई देश अपनी बढ़ती जनसंख्या के लिये अधिक जमीन हड़पना चाहता है और अपनी भौगोलिक सीमा बढ़ाना चाहता है तो कोई अपने अस्त्र-शस्त्र के कारोबार को जीवित रखने की गरज से युद्ध की स्थिति बनाए रखना चाहता है। कोई इस पक्ष या उस पक्ष का साथ देने की गरज से ही युद्ध और हिंसा की भावना फैलाता है। पर सभी के कारण अलग होने पर भी उसका प्रभाव एक-सा पड़ता है- सैनिक एक दूसरे पक्ष पर आक्रमण करते हैं, घातक वार किए जाते है, कितने लोगों की जान जाती है, परिवार उजड़ जाते हैं, रक्त की लोहित नदियाँ बहती हैं, आँसुओं के खारे सागर बनते है। क्या सभी विवादों का हल युद्ध है? बातचीत, आपसी सहयोग, सदभाव से विवाद हल नहीं हो सकते? कूटनीति, समझौते, व्यापार-विनिमय क्या ये सभी व्यर्थ हो चुके है? उत्तर है, नहीं। मनुष्य का मन, भावनाएँ, प्रतिक्रियाएँ, जरूरतें- अन्य सभी जीवों से अधिक उन्नत और जटिल बनाई गई हैं। इसके कई सारे सुपरिणाम हैं कि मनुष्य शिक्षा प्राप्त करता है, बड़े-बड़े अनुसंधान करता है, सागर के तल और आकाश-अंतरिक्ष के पार पहुँचने को निरंतर प्रयासरत रहता है। धन जमा कर उसका विनिवेश करता है, बड़े-बड़े उद्योग-कारखाने चलाता है।

मनुष्य कला-शिल्प में नई-नई दिशाएँ ढूँढता है, मनोरंजन और सुविधा के लिये तरह-तरह के यंत्र और साधन बनाता है। दीन-दुखी की सहायता के लिए दान-कोष, ट्रस्ट और समितियाँ बनाता है, सामाजिक जीवन में अनुशासन के लिये एक संविधान, नियम-क़ानून बनाने के लिए संसद, उनके कार्यान्वयन के लिए कार्यपालिका और उन नियमों की अवमानना करनेवालों को दण्डित करने के लिए न्यायपालिका भी बनाता है। इतना ही नहीं, मनुष्य तपस्या और योग साधना कर ईश्वरत्व को भी प्राप्त करता है। मनुष्य जैसे विकसित प्राणी को प्रकृति ने अदभुत इच्छाशक्ति और चिंतनशक्ति दी है। उसे जंगली जीव-जंतुओं की तरह उग्र, आक्रामक और हिंसक होने की कोई जरूरत नहीं है। युद्ध के अलावा बहुत से शांतिपूर्ण उपाय हो सकते हैं जैसे- आर्थिक- सामाजिक- सांस्कृतिक सम्बन्ध का विकास, हिंसा की जगह मित्रता को बढ़ावा देना। इसी प्रकार, हिंसक अपराध करने का कारण कभी गरीबी है और कभी मानसिक रुग्णता या बीमारी। गरीबी के कारण नौकर मालिक की हत्या कर धन प्राप्त करता है, अशिक्षा या तनाव या अवसाद या कुंठा के कारण विवाह-संबंधी अपराध होते हैं। यदि विवाह के पूर्व स्त्री-पुरुष को उचित परामर्श तथा मेडिकल सहायता और परामर्श दिये जायँ तो उनका उचित दिशा-निर्देश हो सकता है और विवाह के बाद भी दिशा-निर्देश या परामर्श नियमित मिलता रहे तो मानसिक बीमारियाँ, तनाव या कुंठा आदि व्याधियों से विवाहित जोड़ों को बचाया जा सकता है। ध्यान से देखें तो पाएंगे कि सभी अपराधों के पीछे अशिक्षा, तनाव, दिशाहीनता या बेरोजगारी मुख्य कारण होते हैं। यहाँ प्रसिद्ध रूसी लेखक दोस्तोएव्स्की की पुस्तक 'क्राइम एंड पनिशमेंट' का उल्लेख अति आवश्यक है जिसमें वे एक धनी व्यक्ति के गरीब हत्यारे के गंदे और अँधेरे कमरे का जिक्र करते हुए कहते हैं कि अँधेरे, सीलन भरे और नीची छत वाले घर में रहनेवाला व्यक्ति अपराध के बारे में ही सोच सकता हैष्ठ। कितना हृदय-विदारक और सत्य कथन है ! निर्धनता को दूर करना अति आवश्यक है, उच्च वर्ग भी तभी चैन से रह सकता है।

अपराध कम करने के लिये युवाओं का आह्वान आवश्यक है। यदि जयप्रकाश नारायण डाकुओं को परिवर्तित कर सामान्य धारा में ला सकते हैं तो जयप्रकाश नारायण के परम अनुयायी और समर्थक अन्य छोटे-मोटे चोर-उचक्कों और गुंडे-बदमाशों को क्यों नहीं सुधार सकते? उन्हें सामान्य धारा में आकर रोजगार चाहिये। तभी वे अपराध के जंगल से बाहर आएंगे।अपराध कोई शौक नहीं है क्योंकि इसमें जान का खतरा और क़ानून का डर होता है। यदि रोजगार-व्यवसाय की व्यवस्था हो तो लोग व्यस्त रहेंगे। उनके पास फालतू वक्त नहीं रहेगा। बेरोजगारी को दूर करने के लिए उद्योग-धंधे, कला-शिल्प, कृषि-संबंधी रोजगार और स्व-रोजगार का प्रयास करना आवश्यक है।सबको शिक्षा मिले, इसके लिये विद्यालय के साथ-साथ अनौपचारिक रूप से भी शिक्षा दी जानी चाहिये। गाँव में अनौपचारिक रूप से कुछ जगहों की व्यवस्था कर उन लोगों को शिक्षा दी जा सकती है जो विद्यालय आने में असमर्थ है या विद्यालय में उतना समय नहीं दे सकते। उन्हें किताब-कॉपियाँ और कलम दिये जा सकते हैं जिससे घर में रहकर भी बड़े-बूढ़े, गृहिणी-बच्चे सीख सकें। प्रतिदिन दो घंटे भी यदि उन्हें शिक्षा मिले तो उनका मानसिक धरातल ऊँचा होगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा और उनमें जागरूकता आएगी। फिर अनौपचारिक रूप से आय अर्जित करने का प्रशिक्षण दिया जाय। यह प्रक्रिया नियमित रूप से चले। महिलाओं के साथ अपराध को रोकने के लिए उन्हें आत्मनिर्भरता की शिक्षा और आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देना आवश्यक है। उन्हें अपने घर से आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा देने के लिये संपत्ति मिलना जरुरी है। साथ ही, अपने माता-पिता की देखभाल भी करनी है। उन्हें घर में रहकर या बाहर जाकर रोजगार या उद्योग में भाग लेना है। यदि विश्व की जनसंख्या का 50ज्ञ् हिस्सा लाचार, असमर्थ या आलसी बनाकर घर में बंद कर दिया जाय तो पूर्ण रोजगार की स्थिति कैसे आएगी? सकल राष्ट्रीय उत्पाद कैसे बढ़ेगा? क्या घर में बैठकर झाड़ू लगाने से सकल उत्पाद या जी.डी.पी. बढ़ सकती है? आर्थिक अधिकार तो महिला को अपने घर से मिलना चाहिए और आत्मनिर्भरता भी वहीं से आरंभ होनी चाहिए, शिक्षा और आर्थिक साधनों से आरंभ होनी चाहिए। इससे उसे स्वतः गरिमा और सम्मान प्राप्त होंगे। निर्धन, परतंत्र और अशिक्षित महिला को सम्मान और अधिकार माँगना पड़ता है जो अक्सर नहीं मिलता। अतः उसे आर्थिक आत्मनिर्भरता और संपन्नता अवश्य प्राप्त करनी चाहिए। इसमें पूरे परिवार और समाज की भलाई है। 3000 साल पुरानी महिला विरोधी कट्टर रूढ़ियों से समाज की गाड़ी के पहिए पुनः असंतुलित हो जाएंगे। कोई भी गाड़ी तभी चल सकती है जब उसके सभी पहिये समान शक्ति के हों। उसके प्रेम, विवाह या वैवाहिक स्थिति पर कोई चर्चा, प्रश्न या विवाद नहीं खड़ा करे। समाज पूरी शांति से चले, पुरुष-महिला दोनों को समान भाव से कार्य करने दे। हर दस्तावेज में पिता, पति या अभिभावक का नाम लिखना और इसके लिये उसे कानून द्वारा बाध्य करना महिला का सरासर अपमान है। क्या वह असमर्थ या लाचार है? विशेष रूप से जब बायोमेट्रिक्स द्वारा हर व्यक्ति की जैविक पहचान सुनिश्चित है तो उसमें पिता, पति या अभिभावक का नाम क्यों दिया जाय? फिर आँख और उंगलियों के फोटो से क्या लाभ? यदि पति-पिता-पुत्र का नाम लिखना अनिवार्य ही है तो बायोमेट्रिक्स क्यों लगाया? यदि वंशानुगत पहचान आवश्यक है तो माता-पिता दोनों क्यों नहीं हो सकते? आज की गंभीर परिस्थिति में हमें एक न्यायपरक समाज की बेहद आवश्यकता है। नकारात्मक शक्तियाँ- कट्टरता, पोंगापंथी, ढकोसला, अशिक्षा, प्रतिक्रियावादी ताकतें चारों ऑर से देश को निगलने को आतुर हैं, बस मौके की तलाश है। इनसे बचने के लिए एक न्यायपरक, शांतिपूर्ण, समानतामूलक समाज की स्थापना हमारा परम लक्ष्य है। ऐसा समाज सबका आदर करता है, सबको अनुशासित रखता है और सबको आगे बढ़ने का अवसर देता है। समानतामूलक समाज में सबके लिये स्थान है, सहयोग है, विद्वेष या शत्रुता नहीं है। शिक्षा और आर्थिक विकास जनसँख्या को संतुलित करने वाले महत्त्वपूर्ण तत्व के रूप में जाने जाते हैं। मनुष्य में एक प्रवृत्ति है जो अन्य जीवों में नहीं है। इसे मनोविज्ञान 'नीड फॉर अचीवमेंट' के नाम से पुकारता है। इसे महत्वाकांक्षा की भावना भी कह सकते हैं। इसी भावना ने उसे अंतरिक्ष के पार जाने का साहस दिया, समुंद्र की तलहटी खंगालने का बल दिया। यंत्रों की सृष्टि करवाई, नए-नए अनुसंधान करवाए। यदि वह चाहे तो ऐसा समाज अवश्य स्थापित होगा जहाँ हर प्रकार के लोग मिलकर रहें।

नीतीश कुमार हैं पीएम मटीरियल!

जयशंकर गुप्त

राजनीति के चतुर खिलाड़ी नीतीश कुमार अभी तक इन दबावों को झेलते और भरसक परे करते रहते हैं। भाजपा के जनसंख्या नियंत्रण कानून पर उन्होंने साफ कर दिया कि उनकी राय भाजपा से अलग है। इसी तरह से पेगासस जासूसी प्रकरण की जांच कराए जाने की विपक्ष की मांग का समर्थन कर उन्होंने भाजपा और मोदी सरकार पर एक तरह का दबाव ही बनाया। उन्होंने जातीय जनगणना पर विपक्ष के सुर में सुर मिलाते हुए प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर इसके लिए उन पर दबाव भी बनाया।

इन दिनों बिहार की राजनीति में पीएम यानी प्रधानमंत्री मटीरियल की चर्चा बहुत जोरों पर है। बिहार में सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का रिकार्ड बनाने वाले नीतीश कुमार को उनकी पार्टी के लोग एक अरसे से पीएम मटीरियल मानते और बताते रहे हैं लेकिन इस बार जब 29 अगस्त को जनता दल ;यूद्ध की राष्ट्रीय परिषद ने इस आशय का एक राजनीतिक प्रस्ताव भी पास कर दिया तो बात में गंभीरता नSAर आने लगी है। यह बात और है कि अभी प्रधानमंत्री पद के लिए कोई रिक्ति नजर नहीं आ रही है।

जाहिरा तौर पर नीतीश कुमार ने यही कहा है कि वह इन बातों पर ध्यान नहीं देते। पार्टी में लोग इस तरह की बातें करते रहते हैं। लेकिन उनकी मौजूदगी में उनकी पार्टी की राष्ट्रीय परिषद में इस तरह का राजनीतिक प्रस्ताव कैसे पास हो गया! ऐसा तो संभव ही नहीं है कि उनकी जानकारी और सहमति के बिना यह प्रस्ताव तैयार और पास भी हो गया हो! लोकसभा के चुनाव पौने तीन साल बाद होने हैं और अभी वह जिस राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ;राजगद्ध में शामिल हैंए उसमें प्रधानमंत्री का पद और भविष्य की दावेदारी भी खाली नहीं है। उनके समर्थक और उन्हें प्रधानमंत्री पद के काबिल बताने वाले उनकी पार्टी के नेता क्या यह सोचते हैं कि 2024 के आम चुनाव में नरेंद्र मोदी भाजपा में उम्र के पैमाने के मद्देनजर प्रधानमंत्री पद के दावेदार नहीं रहेंगे और भाजपानीतए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के द्वारा संचालित राजग बिहार की बादशाहत की तरह ही लोकसभा में 15.20 सांसद की राजनीतिक ताकत वाले नीतीश कुमार को नेतृत्व की दावेदारी सौंप देगा! फिलहाल तो यह द्विवास्वप्न से अधिक कुछ और नहीं लगता।

इसके लिए दूसरा विकल्प 2024 में संयुक्त विपक्ष उन्हें अपना वैकल्पिक चेहरा मानकर चुनाव लड़े। तो क्या उनकी निगाह एक बार फिर से पलटी मार कर नरेंद्र मोदी और भाजपा के विरोध में बनने वाले किसी संभावित राजनीतिक गठबंधन का नेतृत्व करने की ओर लगी है। नीतीश कुमार को प्रधानमंत्री मटीरियल बताने के पीछे उनकी और उनके जद ;यूद्ध की राष्ट्रीय पहिचान बनाने की कवायद भी हो सकती है। जद ;यूद्ध नेताओं की कोशिश उत्तर प्रदेश और मणिपुर विधानसभा के चुनाव में भी अगर भाजपा से बात बन जाती है तो उसके साथ मिलकर और सम्मानजनक सीटें नहीं मिलने पर अपने बूते भी तकरीबन आधी सीटों पर चुनाव लड़ने की लगती है। अगले साल ही जम्मू.कश्मीर और गुजरात विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। जद ;यूद्ध की कोशिश इन राज्य विधानसभाओं के चुनाव में कुछ सीटें और अपेक्षित मत प्रतिशत हासिल कर चुनाव आयोग से राष्ट्रीय दल की मान्यता हासिल करने की हो सकती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कश्मीर यात्रा कर वहां भी पार्टी के पांव पसारने और चुनाव लड़ने के संकेत दिए हैं।

नीतीश कुमार के प्रधानमंत्री मटीरियल वाली राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं इससे पहले भी कई बार हिलोर मार चुकी हैं। 2014 के संसदीय चुनाव के समय भाजपा की तरफ से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद के दावेदार के रूप में पेश किए जाने के विरोध में उनकी पार्टी ने भाजपा और राजग से अलग होकर चुनाव लड़ा था। उनकी कोशिश कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों के साथ मिलकर लोकसभा का चुनाव लड़ने की थी लेकिन बात नहीं बनी और लोकसभा चुनाव में उनके हिस्से में केवल दो ही सीटें आई थीं। इसके बाद 2015 में बिहार विधानसभा का चुनाव उन्होंने कांग्रेस और अपने राजनीतिक विरोधी लालू प्रसाद यादव के राजद के साथ मिलकर लड़ा और शानदार जीत हासिल कर एक बार फिर वह बिहार के मुख्यमंत्री बने। उस समय भीए 2019 के चुनाव में कुछ विपक्षी दलों की ओर से उन्हें मोदी के विकल्प के रूप में पेश करने की कवायद शुरू हुई। नीतीश कुमार चाहते थे कि उन्हें यूपीए में संयोजक जैसा कोई पद देकर यूपीए उनके नेतृत्व में ही लोकसभा का चुनाव लड़े। लेकिन यह कांग्रेस को मंजूर नहीं था। और भी कुछ बातें थीं जिनसे उनका कांग्रेस और राजद के साथ मोहभंग सा होता गया। और इसी क्रम में विधानसभा के भीतर यह कहने के बावजूद कि रहें या मिट्टी में मिल जाएंए अब कभी भाजपा से हाथ नहीं मिलाएंगेए उन्होंने 2017 में दोबारा भाजपा से हाथ मिलाते हुए 2015 के जनादेश को दरकिनार कर भाजपा के साथ साझा सरकार बना ली। इससे विपक्षी खेमे में उनकी राजनीतिक विश्वसनीयता संदिग्ध हुई।

लेकिन उनके 2017 के राजनीतिक फैसले का उन्हें भरपूर चुनावी लाभ मिला। 40 में से 39 सीटें राजग के खाते में गईं। जद ;यूद्ध के भी 16 सांसद जीते। विपक्ष के नाम पर कांग्रेस को एक सीट मिल सकी थी। विधानसभा का पिछलाए 2020 का चुनाव भी उन्होंने भाजपा के साथ ही मिलकर लड़ा। लेकिन इस बार भाजपा की सीटें तो बढ़कर 74 हो गईंए नीतीश कुमार के जद ;यूद्ध के खाते में केवल 43 सीटें ही आ सकीं। नीतीश कुमार के लिए यह एक राजनीतिक झटका था। हालांकि वादे के मुताबिक भाजपा ने नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही साझा सरकार बनवाई लेकिन क्रमशरू इसकी कीमत भी वसूलने लगी। उन्हें इस बात का एहसास भी कराया जाने लगा है कि वह भाजपा के रहमोकरम पर ही मुख्यमंत्री बने हुए हैं। नीतीश कुमार के सामने एक बार फिर 2015 के बाद वाली ही स्थिति उभरकर सामने आने लगी है। पिछले सप्ताह बिहार के छपरा में जेपी विश्वविद्यालय में गुपचुप ढंग से भाजपा का एजेंडा लागू करने की साजिश उजागर हुई। वहां राजनीति शास्त्र के पोस्ट ग्रेजुएट पाठ्यक्रम में समाज सुधारक स्वामी दयानंद सरस्वतीए राजा राममोहन रायए लोकमान्य तिलक और नीतीश कुमार के राजनीतिक आराध्य और आदर्श रहे समाजवादी नेता डॉण् राममनोहर लोहिया और लोकनायक जयप्रकाश नारायण के व्यक्तित्व और विचारों की जगह नेताजी सुभाषचंद्र बोसए ज्योतिबा फुले और जनसंघ के अध्यक्ष रहे दीनदयाल उपाध्याय को शामिल किया गया। नेताजी और ज्योतिबा फुले के बारे में भी पढ़ाया जाए तो किसी को आपत्ति नहीं होगी। लेकिन डॉण् लोहिया और जेपी ;जिनके नाम पर विश्वविद्यालय बनाद्ध की कीमत परए दीनदयाल उपाध्याय! आश्चर्यजनक तो यह है कि बिहार में शिक्षामंत्री नीतीश कुमार की पार्टी के ही विजय कुमार चौधरी हैं। चौधरी और नीतीश कुमार की आंख तब खुली जब लालू प्रसाद यादव ने ट्वीट कर आरोप लगाया कि संघी मानसिकता की सरकार समाजवादी नेताओं के विचार पाठ्यक्रमों से हटा रही है। बिहार सरकार के जगने एवं कड़े निर्देश जारी करने के बाद अब पाठ्यक्रम में फिर से सुधार हो रहा है। लेकिन इस बात की जांच की मांग हो रही है कि ऐसा किया किसनेघ् क्या यह श्करामातश् शिक्षा मंत्रालय के किसी अफसर की थी या फिर सीधे राजभवन से इसके लिए निर्देश था। बताने की जरूरत नहीं कि भाजपा और संघ परिवार के इस तरह के दबावों के कारण साझा सरकार चलाते हुए भी नीतीश कुमार खुद को असहज महसूस कर रहे हैं। लेकिन राजनीति के चतुर खिलाड़ी नीतीश कुमार अभी तक इन दबावों को झेलते और भरसक परे करते रहते हैं। भाजपा के जनसंख्या नियंत्रण कानून पर उन्होंने साफ कर दिया कि उनकी राय भाजपा से अलग है। इसी तरह से पेगासस जासूसी प्रकरण की जांच कराए जाने की विपक्ष की मांग का समर्थन कर उन्होंने भाजपा और मोदी सरकार पर एक तरह का दबाव ही बनाया। उन्होंने जातीय जनगणना पर विपक्ष के सुर में सुर मिलाते हुए प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा और सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मिलकर इसके लिए उन पर दबाव भी बनाया। प्रधानमंत्री से बातचीत में उन्होंने इसके लिए विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव को श्रेय देकर लालू प्रसाद यादव के यहां भी एक खिड़की खुली रखने की कोशिश की। पेट्रोलियम पदार्थों और खासतौर से रसोई गैस की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि का भी उन्होंने खुलकर विरोध किया। तो क्या नीतीश कुमार के प्रधानमंत्री मटीरियल होने की बात इस समय भाजपा पर दबाव बनाने के लिए भी कही जा रही है! इसके साथ ही पिछले दिनों जनता दल यू की अंदरूनी कलह भी खुलकर आने लगी थी। नीतीश कुमार के खास रहे आरसीपी सिंह के केंद्र में मंत्री बन जाने के बाद उनकी जगह सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह को राष्ट्रीय अध्यक्ष और हाल ही में जद यू में शामिल उपेंद्र कुशवाहा को संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाए जाने के बाद नेताओं के अंदरूनी मतभेद सामने आने लगे हैं।

भारतीय मानसून की चाल को जलवायु परिवर्तन और ज्यादा गड़बड़ बना रहा है

योगेश कुमार गोयल

इस साल मानसून की शुरुआत से ही देश के विभिन्न हिस्सों में मूसलाधार बारिश, बाढ़, बादल फटने, बिजली गिरने और भू-स्खलन से तबाही का सिलसिला अनवरत जारी है। पहाड़ों पर आसमानी आफत टूट रही है तो देश के कई इलाके बाढ़ के कहर से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली में 31 अगस्त से ही जोरदार बारिश के कारण अनेक इलाकों में भारी जलभराव के कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त है और 1 सितम्बर को भी भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा दिल्ली-एनसीआर में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया। वैसे भी दिल्ली में अक्सर चंद घंटों की मूसलाधार वर्षा में ही सड़कें दरिया बन जाती हैं। दिल्ली-एनसीआर में 31 अगस्त को हुई बारिश ने तो सात वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया। 24 घंटे के भीतर राजधानी में 84.1 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई, जो वर्ष 2013 के बाद से सर्वाधिक है। महाराष्ट्र के मुम्बई सहित औरंगाबाद, जलगांव, कोंकण, मराठवाड़ा से लेकर उत्तर महाराष्ट्र सहित अनेक इलाकों में भी भारी बारिश के कारण कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। राजस्थान में बारिश और आकाशीय बिजली से कुछ लोगों की मौत और कईयों के घायल होने की खबर है। देशभर के अनेक इलाकों में नदियां और जलाशय उफान पर आ गए हैं और मौसम विभाग द्वारा 4 सितम्बर तक देश के कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी जारी करते हुए कई राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

इस साल मानसून की शुरुआत से ही देश के विभिन्न हिस्सों में मूसलाधार बारिश, बाढ़, बादल फटने, बिजली गिरने और भू-स्खलन से तबाही का सिलसिला अनवरत जारी है। पहाड़ों पर आसमानी आफत टूट रही है तो देश के कई इलाके बाढ़ के कहर से त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। कमोवेश हर साल मानसून के दौरान विभिन्न राज्यों में अब इसी प्रकार का नजारा देखा जाने लगा है। अब इसे मानसून की दगाबाजी कहें या पर्यावरण असंतुलन का दुष्परिणाम कि मानूसन से होती तबाही की तीव्रता साल दर साल बढ़ रही है। मानसून का मिजाज इस कदर बदल रहा है कि जहां मानसून के दौरान महीने के अधिकांश दिन अब सूखे निकल जाते हैं, वहीं कुछेक दिनों में ही इतनी बारिश हो जाती है कि लोगों की मुसीबतें कई गुना बढ़ जाती हैं। दरअसल वर्षा के पैटर्न में अब ऐसा बदलाव नजर आने लगा है कि बहुत कम समय में ही बहुत ज्यादा पानी बरस रहा है, जो प्रायः भारी तबाही का कारण बनता है।

हाल ही में पॉट्सडैम इंस्टीच्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च के एक अध्ययन में बताया गया है कि भारतीय मानसून की चाल को जलवायु परिवर्तन और ज्यादा गड़बड़ बना रहा है। अध्ययनकर्ताओं के अनुसार भारत के कई हिस्सों में अत्यधिक बारिश ने जो तबाही मचा रखी है, वह वैश्विक तापमान वृद्धि का दुष्परिणाम है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि मानसून के मौसम के जिस पैटर्न को कभी सबसे स्थिर माना जाता था, उसमें एक बड़ा परिवर्तन स्पष्ट देखा जा रहा है। जलवायु परिवर्तन से मौसमी घटनाएं बढ़ रही हैं और मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पृथ्वी के तापमान में प्रत्येक डिग्री सेल्सियस वृद्धि से मानसूनी वर्षा में करीब पांच फीसदी बढ़ोतरी हो रही है। बादल फटने और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में होती बढ़ोतरी को भी जलवायु परिवर्तन से ही जोड़कर देखा जा रहा है।

एक समय था, जब गांव हो या शहर, हर कहीं बड़े-बड़े तालाब और गहरे-गहरे कुएं होते थे और पानी अपने आप धीरे-धीरे इनमें समा जाता था, जिससे भूजल स्तर भी बढ़ता था लेकिन अब विकास की अंधी दौड़ में तालाबों की जगह ऊंची-ऊंची इमारतों ने ले ली है, शहर कंक्रीट के जंगल बन गए हैं, अधिकांश जगहों पर कुओं को मिट्टी डालकर भर दिया गया है। 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक हमारी फितरत कुछ ऐसी हो गई है कि हम मानसून का भरपूर आनंद तो लेना चाहते हैं किन्तु इस मौसम में किसी भी छोटी-बड़ी आपदा के उत्पन्न होने की प्रबल आशंकाओं के बावजूद उससे निपटने की तैयारियां ही नहीं करते। इसीलिए बदइंतजामी और साथ ही प्रकृति के बदले मिजाज के कारण अब प्रतिवर्ष प्रचण्ड गर्मी के बाद बारिश रूपी राहत को देशभर में आफत में बदलते देर नहीं लगती और तब मानसून को लेकर हमारा सारा उत्साह छू-मंतर हो जाता है।

मानसून प्रकृति प्रदत्त ऐसा खुशनुमा मौसम है, भीषण गर्मी झेलने के बाद जिसकी बूंदों का हर किसी को बेसब्री से इंतजार रहता है। यह ऐसा मौसम है, जब प्रकृति हमें भरपूर पानी देती है किन्तु पानी की कमी से बूरी तरह जूझते रहने के बावजूद हम इस पानी सहेजने के कोई कारगर इंतजाम नहीं करते और बारिश का पानी व्यर्थ बहकर समुद्रों में समा जाता है। हालांकि 'रेन वाटर हार्वेस्टिंग' का शोर तो सालभर बहुत सुनते हैं लेकिन ऐसी योजनाएं सिरे कम ही चढ़ती हैं। इन्हीं नाकारा व्यवस्थाओं के चलते चंद घंटों की बारिश में ही दिल्ली, मुम्बई, हैदराबाद, बेंगलुरू जैसे बड़े-बड़े शहरों में भी प्रायः जल-प्रलय जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हल्की-सी बारिश क्या हुई, सड़कों पर पानी भर जाता है, गाड़ियां रेंग-रेंगकर चलने लगती हैं, रेल तथा विमान सेवाएं प्रभावित होती हैं, सड़कें धंस जाती हैं, जगह-जगह जलभराव होने से पैदल चलने वालों का बुरा हाल हो जाता है। यह कोई इसी साल की बात नहीं है बल्कि हर साल यही नजारा सामने आता है लेकिन स्थानीय प्रशासन द्वारा ऐसे पुख्ता इंतजाम कभी नहीं किए जाते, जिससे बारिश के पानी का संचयन किया जा सके और ऐसी समस्याओं से निजात मिले।

हमारी व्यवस्था का काला सच यही है कि न कहीं कोई जवाबदेह नजर आता है और न ही कहीं कोई जवाबदेही तय करने वाला तंत्र दिखता है। हर प्राकृतिक आपदा के समक्ष उससे बचाव की हमारी समस्त व्यवस्था ताश के पत्तों की भांति ढह जाती है। ऐसी आपदाओं से बचाव तो दूर की कौड़ी है, हम तो मानसून में सामान्य वर्षा होने पर भी बारिश के पानी की निकासी के मामले में साल दर साल फेल साबित हो रहे हैं। देशभर के लगभग तमाम राज्यों में प्रशासन के पास पर्याप्त बजट के बावजूद प्रतिवर्ष छोटे-बड़े नालों की सफाई का काम मानसून से पहले अधूरा रह जाता है, जिसके चलते ऐसे हालात उत्पन्न होते हैं। अनेक बार ऐसे तथ्य सामने आ चुके हैं, जिनसे पता चलता रहा है कि मानूसन की शुरुआत से पहले ही करोड़ों रुपये का घपला करते हुए केवल कागजों में ही नालों की सफाई का काम पूरा कर दिया जाता है।

टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का हुआ ऐलान, अश्विन की टीम में वापसी, एमएस धोनी भी साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। बीसीसीआई ने बुधवार को टीम का ऐलान किया। विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम में सूर्यकुमार यादव और अश्विन को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है।

शिखर धवन और पृथ्वी शॉ को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं श्रेयस अय्यर को स्टैंड बाई के तौर पर टीम में जगह मिली है। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को भी टी20 वर्ल्ड कप टीम में नहीं चुना गया है। केएल राहुल को 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है। विकेटकीपर के तौर पर ऋषभ पंत और ईशान किशन को टीम में जगह दी गई है। तेज गेंदबाजों में जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी को टीम में जगह दी गई है।

ऑलराउंडर के तौर पर हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा को टीम में शामिल किया है। अक्षर पटेल, राहुल चाहर और वरुण चक्रवर्ती जैसे युवा चेहरों को भी टीम में जगह मिली है। स्टैंड बाई के तौर पर दीपक चाहर, श्रेयस अय्यर और शार्दुल ठाकुर को टीम में जगह दी गई है। भारत के सबसे कप्तानों में से एक महेंद्र सिंह धोनी को बीसीसीआई ने टी-20 वर्ल्ड कप में टीम का मेंटॉर बनाया है।आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 17 अक्टूबर से युनाइटेड अरब अमीरात (यूएई) और ओमान में खेला जाना है। यह टी20 वर्ल्ड कप भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेजबानी में खेला जाना है। इस इवेंट में भारत अपना पहला मैच 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। पिछला टी20 वर्ल्ड कप 2016 में खेला गया था। इस इवेंट में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं और कुल 45 मैच खेले जाएंगे। फाइनल मैच 14 नवंबर को खेला जाना है। ग्रुप-2 में भारत को रखा गया, जिसमें अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी हैं।

विराट कोहली(कप्तान) रोहित शर्मा, केएल राहुल, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत(विकेटकीपर), ईशान किशन(विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा, राहुल चाहर, आर अश्विन, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी

रिजर्वः श्रेयस अय्यर, शार्दुल ठाकुर, दीपक चाहर

बीसीसीआई ने महेंद्र सिंह धोनी को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी, टीम इंडिया के होंगे मेंटॉर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 17 अक्टूबर से शुरू होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। सीमित ओवरों में रविचंद्रन अश्विन की 4 साल के बाद वापसी हुई है वहीं टी-20 के मास्टर गेंदबाज कहे जाने वाले युजवेंद्र चहल की जगह वर्ल्ड कप टीम में नहीं बन सकी है। इन सबसे ऊपर इस सिलेक्शन की बड़ी बात ये है कि भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को टीम का मेंटर बनाया गया है। भारत के सबसे सफलतम कप्तानों में शुमार पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से जुड़ी ये खबर चौंकाने वाली है। 'बीसीसीआई सेक्रेटरी जय शाह ने कहा, 'भारत के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी टी-20 वर्ल्ड कप में टीम के मेंटर होंगे।' बीसीसीआई ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से इस बात की पुष्टि की। धोनी ने पिछले साल 15 अगस्त को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया था। इसके बाद से ही धोनी आईपीएल के अतिरिक्त हर तरह की क्रिकेट से किनारा कर लिया था। वर्ल्ड कप के लिए टीम से जुड़ने से पहले धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल में नजर आएंगे। 2007 में धोनी की कप्तानी में ही टीम इंडिया ने पहली बार टी-20 वर्ल्ड कप पर कब्जा किया था। 2021 का ये टी-20 वर्ल्ड कप टीम इंडिया का ऐसा पहला टी-20 वर्ल्ड कप होगा जब टीम इंडिया के कप्तान धोनी नहीं होंगे।

रविचंद्रन अश्विन की 4 साल बाद टी-20 टीम में वापसी, सीधे वर्ल्ड कप में मिला मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2021 के लिए भारतीय टीम का ऐलान कर दिया गया है। बीसीसीआई ने बुधवार को टीम का ऐलान किया। विराट कोहली की अगुवाई वाली टीम में रविचंद्रन अश्विन को भी 15 सदस्यीय टीम में जगह मिली है। वो चार साल से टीम इंडिया की टी-20 वर्ल्ड कप टीम से बाहर थे। उनकी चार साल बाद सीधे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम में वापसी हुई है। उनके अलावा स्पिनर के तौर पर रवींद्र जडेजा, राहुल चाहर, अक्षर पटेल और वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह मिली है। लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल को भी टी20 वर्ल्ड कप टीम में नहीं चुना गया है। उनके अलावा क्रुणाल पांड्या भी टीम में जगह नहीं बना सके है। अश्विन की बात करें तो उन्होंने टीम इंडिया की तरफ से आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच नौ जुलाई 2017 को खेला था। 34 साल के अश्विन ने ये मुकाबला वेस्टइंडीज के खिलाफ किंग्सटन में खेला था। अश्विन को टीम में चुनने की वजह यूएई में टूर्नामेंट होने है। यूएई में स्पिनरों को मदद मिलती है। अश्विन ने 46 टी-20 इंटरनेशनल मैच में 52 विकेट लिए हैं। उनका टी-20 इंटरनेशनल मैचों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8 रन देकर 4 विकेट है। आईसी यह टी20 वर्ल्ड कप भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की मेजबानी में खेला जाना है। भारत अपना पहला मैच 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ खेलेगा। ग्रुप-2 में भारत को रखा गया है, जिसमें उसके साथ अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान भी हैं। इस बार टी-20 वर्ल्ड कप में कुल 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं।

मैनचेस्टर टेस्ट से पहले विराट के साथ प्रैक्टिस करते दिखे अश्विन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट सीरीज में भारत के पकड़ मजबूत हो चुकी है। पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में भारत 2-1 से आगे है। पिछले चार टेस्ट मैचों की बात करें तो लीड्स टेस्ट के अलावा भारत ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है।

इन चार टेस्ट मैचों के दौरान अपने स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को मैदान से दूर देखकर फैन्स के मन में कई सारे सवाल आए। लीड्स टेस्ट हारने के बाद भी जब ओवल में अश्विन की जगह नहीं बनी तो विराट कोहली के इस निर्णय पर प्रश्नचिह्न लगा दिया गया। बहरहाल, टीम इंडिया के गेंदबाजों ने अश्विन की कमी महसूस नहीं होने दी और आसानी से मैच जीत गए। लेकिन पांचवें टेस्ट से पहले इंडियन फैन्स के लिए खुश करने वाली तस्वीर आई है। मैनचेस्टर टेस्ट से पहले इस भारत टीम के सबसे अनुभवी स्पिनर रवि अश्विन ने विराट कोहली के साथ पसीना बहाया।

ये उम्मीद की जा रही है कि अंतिम टेस्ट में मैनचेस्टर की विकेट पर अश्विन की गेंदें इंग्लिश बल्लेबाजों को तंग करेंगी। आर अश्विन टीम इंडिया के एक्स फैक्टर हैं जो गेंद और बल्ले दोनों से टीम में योगदान दे सकते हैं। अश्विन को टीम में लेने की बात भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज पहले ही कर चुके हैं। एक विश्वस्तरीय स्पिनर होने के साथ-साथ वे बल्ले से भी रन बनाने का माद्दा रखते हैं। यदि अश्विन के टेस्ट करियर की बात करें तो आर अश्विन ने 79 टेस्ट में 413 विकेट अपने नाम किए हैं।

बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज जीतकर रचा इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को चौथे टी-20 में हराकर इतिहास रच दिया है। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार टी-2- सीरीज जीती है। बुधवार को खेले गए मैच में बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 6 विकेट से हराकर पांच मैचों की टी-20 सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है। न्यूजीलैंड की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 93 रनों पर सिमट गई। बांग्लादेश के कप्तान महमूदुल्लाह रियाद के नाबाद 43 रनों की बदौलत पांच गेंद बाकी रहते चौथा टी-20 मैच जीत लिया। बाग्लादेश की तरफ से स्पिनर नसुम अहमद और मुस्ताफिजुर रहमान ने चार-चार विकेट लिए। बांग्लादेश ने न्यूजीलैंड को 19.3 ओवरो में 93 रनों पर ऑलआउट कर दिया। महमूदुल्लाह ने अपनी 48 गेंदों की पारी में दो छक्के लगाए। वहीं सलामी बल्लेबाज मोहम्मद नईम ने 35 गेंदों में 29 रन बनाए। इससे पहले न्यूजीलैंड की तरफ से विल यंग ने सबसे अधिक 48 रन बनाए। उनके अलावा कीवी कप्तान टॉम लाथम ने 21 रन बनाए। नसुम अहमद को मैन ऑफ द मैच दिया गया। बांग्लादेश ने पांच टी-20 मैचों की सीरीज में शुरुआती दो मैचों में जीत हासिल की थी। इसके बाद तीसरे टी-20 मैच में न्यूजीलैंड ने बांग्लादेश को 52 रनों से हराया था। न्यूजीलैंड और बांग्लादेश का बीच पांचवां टी-20 मैच शुक्रवार को खेला जाएगा।

मैनचेस्टर टेस्ट से पहले टीम इंडिया के लिए गुड न्यूज, तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी हुए फिट

नई दिल्ली (एजेंसी)। मैनचेस्टर टेस्ट से पहले टीम इंडिया के लिए गुड न्यूज है। टीम इंडिया के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी चोट से उबर गए हैं। शमी इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर में 10 सितंबर से शुरू होने वाले टेस्ट मैच में खेलने के लिए तैयार हैं। शमी और इशांत शर्मा को हल्की चोटों के कारण ओवल टेस्ट में रेस्ट दिया गया था। भारत ने ओवल टेस्ट में 157 रन से जीत दर्ज करके पांच मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल की थी। पता चला है कि शमी ने बुधवार को टीम के प्रैक्टिस सेशन में भाग लिया। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'शमी फिट हैं और जब शमी फिट हैं तो वे स्वतः पसंद हो जाते हैं।' शमी के फिट होने से कप्तान विराट कोहली और एकमात्र उपलब्ध कोच विक्रम राठौड़ को पांचवें मैच से पहले विकल्पों पर विचार करने में मदद मिलेगी। सीनियर बल्लेबाज रोहित शर्मा (घुटने की चोट) और चेतेश्वर पुजारा (टखने की चोट) भी चोटिल हैं और वे अब भी मेडिकल टीम की निगरानी में हैं।

रोहित की चोट में तेजी से सुधार हो रहा है और उनके खेलने की पूरी संभावना है लेकिन मेडिकल टीम से हरी झंडी मिलने के बाद ही निर्णय किया जाएगा। यदि रोहित सही समय पर फिट नहीं हो पाते हैं तो मयंक अग्रवाल, अभिमन्यु ईश्वरन और पृथ्वी शॉ से किसी एक को मौका दिया जाएगा। पुजारा की अनुपस्थिति में हनुमा विहारी और सूर्यकुमार यादव में किसी को प्लेइंग इलेवन में जगह मिल सकती है।

शुभमन गिल ने बताया, प्लेऑफ में कैसे जगह बना सकती है कोलकाता नाइट राइडर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2021 का दूसरा चरण अब से बस कुछ दिन की दूरी पर है। यूएई में होने वाले दूसरे चरण के लिए टीमें यूएई पहुंच चुकी हैं और अभ्यास करना भी शुरू कर दिया है। इयोन मॉर्गन की कप्तानी वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का प्रदर्शन आईपीएल के पहले चरण में अच्छा नहीं रहा था। टीम ने खेले गए 7 मुकाबलों में से 5 में हार का सामना करना पड़ा था। पहले चरण में लचर प्रदर्शन के बाद भी टीम के ओपनर शुभमन गिल को लगता है कि केकेआर अब भी प्लेऑफ में अपनी जगह बना सकती है। गिल ने केकेआर की आधिकारिक वेबसाइट पर बात करते हुए अगले चरण में टीम के बेहतर प्रदर्शन करने का दावा किया। केकेआर की आधिकारिक वेबसाइट से बात करते हुए टीम के सलामी बल्लेबाज गिल ने कहा, 'मुझे लगता है कि एक ब्रेक सच में जरूरी था। कई बार ऐसी चीजें हो जाती हैं, जिसकी उम्मीद आपको नहीं होती। मुझे लगता है कि हम टॉप 4 में जगह बनाने की दौड़ में अभी भी बने हुए हैं। आप नहीं जानते कि कौन सी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करेगी। इसलिए, उम्मीद है कि हम अपने बचे हुए मैच जीतेंगे और प्लेऑफ में अपनी जगह सुनिश्चित करेंगे और फिर देखेंगे कि हम वहां से कहां तक जा सकते हैं।' उन्होंने अपने गेम प्लान के बारे में बताते हुए कहा, 'अगर हम वो सब किया जो हम पिछले कुछ सालों में करते आए हैं और अपने खेल का आनंद लेंगे तो ऐसा संभव नहीं है कि हम अच्छा नहीं कर सकते या क्वालीफाई नहीं कर सकते।'

2020 के आईपीएल में केकेआर क्वालीफाई करते-करते रह गई थी। खराब रन-रेट होने की वजह से टीम को पांचवें नंबर पर ही संतोष करना पड़ा था। आईपीएल के पिछले सीजन में केकेआर की कप्तानी में भी बड़े बदलाव हुए थे, दिनेश कार्तिक ने बीच सीजन में कप्तानी छोड़ दी और टीम की कमान मॉर्गन को सौंपी गई, जिनकी कप्तानी में टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया था। आईपीएल 2021 का ये दूसरा चरण 19 सितंबर से यूएई में खेला जाएगा। केकेआर का पहला मुकाबला 20 सितंबर को विराट कोहली की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के साथ होगा।

तालिबान ने महिलाओं के क्रिकेट खेलने पर लगाया बैन, कहा-इससे शरीर की नुमाइश होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के सियासी हालातों से आज पूरी दुनिया वाकिफ है। पहले देश पर कब्जा करने के बाद अब सरकार में आने के बाद तालिबान ने अफगानिस्तान क्रिकेट पर हमला कर दिया है। तालिबान ने अफगानी महिलाओं के किसी भी तरह के खेल खेलने पर सख्त पाबंदी लगा दी है। इस बारे में तालिबान का कहना है कि कोई भी खेल खेलने पर उनके शरीर की नुमाइश होगी। नवंबर 2020 को अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के द्वारा 25 महिला खिलाड़ियों को सालाना कांट्रैक्ट जारी किया था। इसी के साथ बोर्ड ने काबुल में 21 दिन का ट्रेनिंग कैंप भी चलाया था जिसमें 40 महिला खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था।

एसबीएस न्यूज को दिए गए इंटरव्यू में तालिबान कल्चरल कमिशन के डेप्युटी हेड अहमदुल्लाह वासिक ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि महिलाओं को क्रिकेट खेलने की इजाजत होगी क्योंकि यह जरूरी नहीं है कि महिलाएं क्रिकेट खेलें। क्रिकेट में उन्हें ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ सकता है जहां उनका चेहरा और शरीर ढका नहीं होगा। इस्लाम महिलाओं को इस तरह देखने की इजाजत नहीं देता है। यह मीडिया का जमाना है, और इसमें फोटो और वीडियो होंगे और फिर लोग इसे देखेंगे। इस्लाम और इस्लामिक अमीरात महिलाओं को क्रिकेट खेलने या उस तरह के खेल खेलने की इजाजत नहीं देते जहां उनका पर्दाफाश हो जाता है।' उन्होंने आगे कहा, 'क्रिकेट और अन्य खेलों में महिलाओं को इस्लामिक ड्रेस कोड नहीं मिलेगा। यह स्पष्ट है कि वे बेनकाब हो जाएंगे और ड्रेस कोड का पालन नहीं करेंगे, और इस्लाम इसकी इजाजत नहीं देता है।'

तालिबान ने यह भी कहा कि चाहे कुछ भी हो जाए वे इस्लाम के उसूलों के खिलाफ नहीं जा सकते। उनके इस फैसले से कई सपने टूट गए हैं। तालिबानियों के आतंक के कारण पहले ही देश छोड़ चुकी अफगानिस्तान की महिला क्रिकेटर रोया समीम ने कुछ दिन पहले कहा था, 'अफगानिस्तान छोड़कर जाना मेरे लिए यह एक दुखद दिन था। मैं बस रो रही थी। मुझे वास्तव में वह सब कुछ पसंद है जो मेरे पास था। मेरी नौकरी, मेरा क्रिकेट, मेरे साथी, मेरा होमटाउन, मेरे रिश्तेदार। मेरे पास जो कुछ भी था, मैंने उसे पीछे छोड़ दिया है। आज भी मुझे जब ये दिन याद आता है तो मैं रो पड़ती हूं।' इस फैसले के बाद आगामी नवंबर में अफगानिस्तान पुरुष टीम का ऑस्ट्रेलियाई दौरा भी संकट में नजर आ रहा है। ऑस्ट्रेलिया दौरे पर अफगानिस्तान को एक टेस्ट मैच की सीरीज खेलनी थी।

विराट कोहली के मुरीद हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन, बोले- क्रिकेट को उनके जैसे कैरेक्टर की जरूरत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के कप्तान विराट कोहली ने ओवल टेस्ट के पांचवे दिन इंग्लैंड की बार्मी-आर्मी की तरफ ट्रम्पेट सेलिब्रेशन किया था। विराट के इस तरह के जश्न मनाने को लेकर क्रिकेट बिरादरी में लोगों की अलग-अलग राय है। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन को विराट कोहली के जश्न के इस तरीके पर कुछ भी गलत नहीं दिखता है। उनका मानना है कि कोहली इन तरीकों से खेल को रोमांचक बनाते हैं। कोहली ने ओवल टेस्ट के दौरान 2 बार ट्रम्पेट सेलिब्रेशन किया था। कोहली ने पहली बार जब रवींद्र जडेजा ने हमीद हसीब को बोल्ड आउट किया तब ट्रम्पेट सेलिब्रेशन किया। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने जब जॉनी बेयरस्टो को बगैर खाता खोले बोल्ड कर दिया। तब विराट ने इंग्लैंड की बार्मी-आर्मी की तरफ ट्रम्पेट सेलिब्रेशन किया था। वॉन ने फोक्स क्रिकेट से बातचीत में कहा, 'विराट कोहली एक अविश्वसनीय लीडर हैं। आप जानते हैं, उनके पास ऊर्जा का यह अविश्वसनीय उत्साह है। वह स्टैंड पर अपने ट्रम्पेट संकेतों के साथ बार्मी-आर्मी पर निशाना साध रहे थे। मुझे यह पसंद है। मुझे लगता है कि हमारे पास खेल में पर्याप्त कैरेक्टर नहीं हैं और हमारे पास विराट जैसा कोई है जो यह कर रहा है। वह एक अद्भुत कैरेक्टर है उन्होंने बेहतरीन कप्तानी कर दिखाया कि टेस्ट मैच कैसे जीता जाता है।वॉन ने कहा कि जिन लोगों को कोहली के इस एक्शन से आपत्ति है वो बोरिंग हैं।

अगले साल जुलाई में टी20 और वनडे सीरीज के लिए इंग्लैंड जाएगी टीम इंडिया

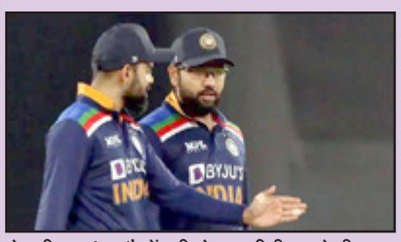

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया को अगले साल जुलाई में लिमिटेड ओवर सीरीज के लिए इंग्लैंड जाना होगा। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने 2022 के घरेलू इंटरनेशनल कैलेंडर की घोषणा की है, जिसके हिसाब से टीम इंडिया को इंग्लैंड में जुलाई 2022 में तीन-तीन मैचों की टी20 और वनडे इंटरनेशनल सीरीज खेलनी है। यह सीरीज 1 जुलाई से 14 जुलाई के बीच खेली जाएगी। इस समय टीम इंडिया इंग्लैंड के दौरे पर है, जहां दोनों के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के चार मैच हो चुके हैं और पांचवां टेस्ट 10 सितंबर से मैनचेस्टर में खेला जाना है। अन्य दौरों के उलट इस बार कोविड-19 महामारी के कारण दौरे के समय को देखते हुए इसे टेस्ट क्रिकेट और लिमिटेड ओवरों की सीरीज में बांटा गया है। इंग्लैंड की मेंस टीम जुलाई में भारत के खिलाफ सीमित ओवरों की डोमेस्टिक सीरीज खेलेगी और फिर दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। ईसीबी की ओर से जारी शेड्यूल के मुताबिक भारत दौरे की शुरुआत 1 जुलाई को ओल्ड ट्रैफर्ड पर टी20 इंटरनेशनल मैच के साथ करेगा। दो अन्य टी20 मुकाबले ट्रेंटब्रिज (3 जुलाई) और एजियास बाउल (6 जुलाई) में खेले जाएंगे। तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज एजबस्टन (9 जुलाई), ओवल (12 जुलाई) और लॉर्ड्स (14 जुलाई) पर खेली जाएगी।

त्रिपुराः भाजपा और सीपीआईकार्यकर्ताओं के बीच झड़प के बाद बवाल, कार्यालय में घुसकर तोड़फोड़ और आगजनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। त्रिपुरा में भारतीय जनता (भाजपा) और सीपीआई(एम) कार्यकर्ताओं के बीच कई जगहों पर झड़प हुई है। बताया जा रहा है कि हंगामे की शुरुआत गोमती जिले के उदयपुर शहर से हुई। बताया जा रहा है कि सीपीआई (एम) यूथ विंग फेडरेशन ने रैली निकाली थी। इस रैली के दौरान सीपीआई (एम)वेः कार्यकर्ताओं ने एक भाजपा कार्यकर्ता पर हमला कर दिया। यह भाजपा कार्यकर्ता वहां से गुजर रहे थे। इस हमले में वो गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं का एक ग्रुप वहां मौजूद था। अ्इघ् की रैली के दौरान दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं के बीच झगड़ा हो गया। सूत्रों के मुताबिक अगरतला, बिशालगढ़ और कैथला में ण्झ्घ(श्)के कार्यालय को आग लगाया गया और तोड़फोड़ की गई। बताया जा रहा है कि सोमवार को मुख्यमंत्री मानिक सरकार को धानपुर में एक कार्यक्रम के दौरान वि?ोध का सामना करना पड़ा था। इस दौरान सीपीआई (एम) और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हुई थी। पुलिस ने कहा कि उदयपुर में बीजेपी के कार्यकर्ता को गंभीर चोट आई है और उनकी हालत अभी भी स्थिर नहीं है। इस पूरे हंगामे के बाद भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई। पुलिस ने बताया कि उदयपुर में काफी भीड़ जुट गई थी। इस भीड़ को काबू करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी है। सीपीआई (एम)के नेता बिजन धार ने कहा कि मैं पार्टी कार्यालय को देखने आया था। इस दौरान हमारी कार पर हमला हुआ और उसे आग के हवाले कर दिया गया।

उपद्रवियों ने पूर्व मंत्री रतन भौमिक की गाड़ी को भी आग के हवाले कर दिया। कृषि मंत्री प्रणजीत सिंघा रॉय इस झड़प के बाद खुद घटना स्थल पर पहुंचे थे। यहां पहुंचने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि सीपीआई (एम) की यूथ विंग ने बिना पूर्व अनुमति यहां रैली आयोजित की थी। जब पुलिस ने इस रैली को रोकने की कोशिश की तब उन्होंने हिंसा शुरू कर दी।

डब्ल्यूएचओ प्रमुख का अमीर देशों को नसीहत, इस साल बूस्टर डोज देने से करें परहेज

जिनेवा (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख ने कोरोना वायरस टीकों की बड़ी आपूर्ति वाले अमीर देशों से वर्ष के अंत तक बूस्टर खुराकें देने से परहेज करने का आह्वान किया है। इसके साथ-साथ डब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कुछ दवा कंपनियों के एक प्रमुख संघ की ओर से वैक्सीन को लेकर की गई टिप्पणियों पर हैरानी भी जताई है।डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम गेब्रियसस ने बुधवार को यह भी कहा कि वह दवा निर्माताओं के एक प्रमुख संघ की टिप्पणियों पर 'हैरान' हैं, जिन्होंने कहा है कि वैक्सीन की आपूर्ति इतनी अधिक है कि उन देशों में बूस्टर खुराक और टीकाकरण दोनों की अनुमति दी जा सकती है, जिन्हें टीकों की सख्त जरूरत तो है, लेकिन वे इनकी कमी का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने एक मीडिया से बात करते हुए कहा कि मैं टीके की वैश्विक आपूर्ति को नियंत्रित करने वाली कंपनियों और देशों की इस भावना पर चुप नहीं रहूंगा कि दुनिया के गरीब देशों को बची हुई खुराकों से संतुष्टि करनी चाहिए। टेड्रोस ने पहले सितंबर के अंत तक बूस्टर खुराकें देने से परहेज करने का आह्वान किया था, लेकिन अमेरिका और अन्य देश खुराकें देना शुरू कर चुके हैं या संवेदनशील लोगों को खुराकें देने की योजना पर विचार कर रहे हैं।

जहाज से टक्कर के बाद ब्रह्मपुत्र नदी में डूबी नाव, 42 लोगों को बचाया गया, कई अभी भी लापता

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के जोरहाट जिले में ब्रह्मपुत्र नदी में बड़ी दुर्घटना हुई है। जहाज और यंत्र चालित नाव के बीच टक्कर होने के बाद नाव डूब गई, जिसमें 120 लोग सवार थे। घटना के बाद एनडीआरएफ की टीम बचाव में जुटी और बड़ी संख्या में लोगों को बाहर निकाल लिया है। लेकिन अब भी कई लोग लापता हैं। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि नाव पर कितने लोग सवार से इसका पता लगाना मुश्किल है। हालांकि अब तक 42 लोगों को बचा लिया गया है। एक महिला की मौत हो गई। अब तक 4 लोगों के लापता होने की खबर है लेकिन 2-3 घंटे में पूरी रिपोर्ट आ जाएगी।नॉर्थ ईस्ट टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों नावों में करीब 120 लोग सवार थे। घटना के बाद के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। ऐसे ही एक वीडियो में नावों में टक्कर होने के बाद लोग चीखते-पुकारते दिख रहे हैं और बचाने की गुहार लगा रहे हैं। कई लोग जो तैरना जानते थे, वे मशक्कत करते दिखे। वहीं कई लोग देखते ही देखते पानी में डूबे गए।

कोरोना से हुईं सभी मौतों की वजह मेडिकल लापरवाही नहीं; एससी ने मुआवजे पर आदेश से किया इनकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोरोना की दूसरी लहर में हुईं मौतों पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है औरर कहा कि दूसरी लहर में कोरोना से हुई सभी मौत की वजह मेडिकल लापरवाही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अदालतें यह मानकर नहीं चल सकतीं कि वैश्विक महामारी की दूसरी लहर के दौरान कोविड-19 से हुई सभी मौतें लापरवाही के कारण हुईं। न्यायालय ने मृतकों के परिजन को चिकित्सकीय लापरवाही मानकर मुआवजे का अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की। न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने याचिकाकर्ता दीपक राज सिंह से कहा कि वह अपने सुझावों के साथ सक्षम प्राधिकारियों के पास जाएं। सुप्रीम कोर्ट पीठ ने कहा कि यह मानना कि कोविड-19 से हर मौत लापरवाही के कारण हुई, बहुत ज्यादा है। दूसरी लहर का पूरे देश में ऐसा प्रभाव पड़ा कि यह नहीं माना जा सकता कि सभी मौतें लापरवाही के कारण हुईं। अदालतें यह मानकर नहीं चल सकतीं कि कोविड से हुई सभी मौतें चिकित्सकीय लापरवाही के कारण हुईं, जैसा आपकी याचिका मानती है। शीर्ष अदालत ने 30 जून के एक हालिया फैसले का हवाला दिया, जिसमें उसने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को कोविड-19 के कारण मरने वाले लोगों के परिवार के सदस्यों को अनुग्रह सहायता राशि के लिए छह सप्ताह के भीतर उचित दिशा-निर्देशों की अनुशंसा का निर्देश दिया था। इसने कहा कि उस फैसले में अदालत ने मानवता के संबंध में अपना दृष्टिकोण रखा था न कि लापरवाही के कारण। सरकार को अब भी इस संबंध में एक नीति लानी है। यदि आपके पास उस नीति के कार्यान्वयन के संबंध में कोई सुझाव है, तो आप सक्षम प्राधिकारी से संपर्क कर सकते हैं। शीर्ष अदालत ने याचिका का निपटारा करते हुए याचिकाकर्ता से कहा कि वह इसे वापस लेकर उसमें संशोधन करे और यदि कोई सुझाव हो तो याचिकाकर्ता सक्षम प्राधिकारी से संपर्क कर सकता है।

वायुसेना के लिए 56 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट की खरीद को मंजूरी, 16 स्पेन से आएंगे और 40 देश में बनेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति ने बुधवार को भारतीय वायु सेना के लिए 56 ण्-295 ंश् परिवहन विमान की खरीद को मंजूरी दे दी है। ऐसा पहली बार होने जा रहा है जब भारत में किसी निजी कंपनी की ओर से एक सैन्य विमान का निर्माण किया जाएगा। ये मालवाहक विमान स्पेन की मेसर्स एयर बस डिफेंस एंड स्पेस कंपनी से खरीदे जाएंगे। यह कंपनी अनुबंध पर हस्ताक्षर होने के चार साल में उड़ने की हालत में तैयार 16 विमानों की आपूर्ति करेगी जबकि बाकी 40 विमान देश मे ही टाटा कंसोर्टियम द्वारा दस सालों में बनाए जाएंगे। यह अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट है जिसमें देश की निजी कंपनी द्वारा सैन्य विमान बनाए जाएंगे। इन विमानों को बनाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले कलपुर्जे भी देश की सूक्ष्म और लघु तथा मध्यम इकाइयों द्वारा बनाए जाएंगे। विमानों के पिछले हिस्से में एक रैंप होगा जिससे छताधारी सैनिक और समान को तेजी और आसानी से उतारा जा सकता है। सरकार की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक इस परियोजना से सरकार के आत्मनिर्भर भारत अभियान को मजबूती मिलेगी और देश में रोजगार के प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष अवसर बढ़ेंगे। साथ ही रक्षा क्षेत्र में आयात पर निर्भरता में भी कमी आएगी।

ये अत्याधुनिक विमान वायुसेना के बेड़े में पुराने पड़ चुके हैं एवं मालवाहक विमानों की जगह लेंगे। पांच से 10 टन की क्षमता वाले ये विमान अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी पर आधारित होंगे तथा इनमें देश में ही विकसित इलेक्ट्रॉनिक वार फेयर प्रणाली लगाई जाएगी। सरकार का कहना है कि इससे रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी निमार्ण को बढ़ावा मिलेगा और उसकी मेक इन इंडिया जैसी महत्वकांक्षी योजना को भी बल मिलेगा। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि विमान उपयोग आने वाले अधिकतर पार्ट का निर्माण भारत में किया जाएगा, जो सीधे तौर पर 600 अत्यधिक कुशल रोजगार पैदा करेंगे, 3000 से अधिक अप्रत्यक्ष रोजगार और अतिरिक्त 3,000 मध्यम कौशल रोजगार के अवसर होंगे।

गेहूं और सरसों समेत 6 रबी फसलों की एमएसपी में मोदी सरकार ने किया बड़ा इजाफा, तोहफे से दूर होगी किसानों की नाराजगी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को मौजूदा फसल वर्ष के लिए गेहूं और सरसों समेत 6 रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (श्एझ्) में इजाफे का ऐलान किया। गेहूं की एमएसपी 40 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ा दी गई है। इजाफे के बाद 2,015 रुपए प्रति क्विंटल की न्यूनतम कीमत पर गेहूं की खरीद होगी। इसके अलावा सरसों की एमएसपी 400 रुपए प्रति क्विंटल बढ़ाकर 5,050 रुपए कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुआई में कैबिनेट कमिटी ऑन इकॉनमिक अफेयर्स (र्ण्ीं) की बैठक में यह फैसला लिया गया है। जौ की एमएसपी 35 रुपए बढ़ाकर 1635 रुपए प्रति क्विंटल कर दी गई है। चने की कीमत 130 रुपए बढ़ाकर 5,230 रुपए प्रति क्विंटल कर दी गई है। मसूर की एमएसपी 400 रुपए बढ़ाने के बाद 5,500 रुपए प्रति क्विंटल हो गई है। कुसुम की एमएसपी 114 रुपए बढ़ाकर 5,441 रुपए प्रति क्विंटल करने का फैसला लिया गया है।

एमएसपी (न्यूनतम समर्थन मूल्य) वह कीमत है जिस पर सरकार किसानों से फसल की खरीद करती है। इस समय सरकार खरीफ और रबी सीजन के 23 फसलों के लिए एमएसपी तय करती है। रबी फसलों की बुआई अक्टूबर में खरीफ फसल की कटाई के तुरंत बाद होती है। गेहूं और सरसों रबी सीजन के दो मुख्य फसल हैं। आधिकारी रूप से दी गई जानकारी में कहा गया है कि सीसीईए ने 2021-22 फसल वर्ष और 2022-23 मार्केटिंग सीजन के लिए छह रबी फसलों की एमएसपी बढ़ाई है। गेहूं की एमएसपी इस साल 40 रुपए बढ़ाकर प्रति क्विंटल 2,015 रुपए कर दी गई है, जोकि पिछले सीजन में 1,975 रुपए थी। प्रति क्विंटल गेहूं की अनुमानित लागत 1008 रुपए प्रति क्विंटल है। सरकार ने 2021-22 खरीद सीजन में रिकॉर्ड 4.3 करोड़ टन गेहूं की खरीद की थी।मोदी सरकार ने एमएसपी में इजाफे का फैसला ऐसे समय पर लिया है जब एक बार फिर किसानों ने नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन को तेज कर दिया है। हाल ही में किसान संगठनों ने उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में महापंचायत की है। कुछ ही महीनों बाद यूपी, पंजाब सहित 5 राज्यों में चुनाव होने जा रहे हैं। माना जा रहा है कि यूपी और पंजाब में बीजेपी को किसानों की नाराजगी का भी सामना करना पड़ सकता है।

अब करनाल में डटे किसान

नई दिल्ली (एजेंसी)। करनाल में किसानों ने 28 अगस्त को हुए लाठीचार्ज के विरोध में आंदोलन को बुधवार को भी जारी रखा. किसानों की मांग है कि लाठीचार्ज का आदेश देने वाले अधिकारी का निलंबन हो. करनाल में किसानों ने लघु सचिवालय के बाहर डेरा डाल लिया.28 अगस्त को करनाल में प्रदर्शन कर रहे किसानों पर लाठीचार्ज का आदेश देने वाले अधिकारी के निलंबन की मांग पर संयुक्त किसान मोर्चा अड़ा हुआ है. मंगलवार को किसानों ने करनाल की अनाजमंडी में महापंचायत की और किसान नेताओं की अधिकारियों के साथ बैठक भी हुई. लेकिन सहमति नहीं बन पाई। किसानों ने मंगलवार को लघु सचिवालय का घेराव किया और इस दौरान पुलिस ने किसानों पर पानी की बौछारें भी की. किसान अपनी मांगों से पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहे हैं. मंगलवार रात को ही किसानों ने लघु सचिवालय के बाहर स्थाई धरने का ऐलान कर दिया और टेंट लगा दिए. अधिकारी पर कार्रवाई की मांग किसान नेता राकेश टिकैत का कहना है कि जब तक न्याय नहीं मिलता है प्रदर्शनकारी किसान लघु सचिवालय के बाहर डटे रहेंगे।

तालिबान के साथ हो गए अफगानिस्तान के सैनिक? लेटेस्ट तकनीकों के इस्तेमाल ने गहराया शक

नई दिल्ली (एजेंसी)। तालिबान की ओर से नई सरकार के ऐलान के बाद अब यह सवाल उठना लाजमी है कि अफगानिस्तान के सैनिक कहा गए? क्या उन्होंने देश छोड़ दिया या फिर तालिबान के साथ हो गए? अफगानी सैनिकों के लेकर अब एक रिपोर्ट सामने आई है। जिसमें दावा किया गया है कि काफी संख्या में ये सैनिक तालिबान की नई सरकार में शामिल हो सकते हैं। रिपोट् में यह भी कहा गया है कि कई सैनिकों ने उत्पीड़न की डर से अफगानिस्तान को छोड़ दिया होगा। कई पंजशीर के प्रतिरोध मोर्चे में शामिल हो गए। हालांकि, तालिबान ने इन सैनिकों के लिए माफी की घोषणा किया था। ऐसा इसलिए क्योंकि तालिबान लड़ाकों की हाल की छवियों का विश्लेषण करते हुए यूके की सेना को यह पता चला कि वे जिन तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं उनमें से कुछ लेटेस्ट हैं। जिनका उपयोग ज्यादातर यूके या यूएस में किया जाता है। द टाइम्स के हवाले से एक रिपोर्ट में कहा गया है इस विश्लेषण ने उन्हें यह विश्वास दिया है कि पहले अमेरिका और ब्रिटेन की ओर से प्रशिक्षित अफगान सैनिक अब तालिबान के लिए लड़ रहे हैं। सभी तो नहीं तो कम से कम कुछ तालिबान के लिए लड़ ही रहे हैं।ब्रिटेन के एक रक्षा अधिकारी ने द टाइम्स से कहा है कि एक अनट्रेंड फोर्स आमतौर पर हथियार को बेतरतीब ढंग से पकड़ती है, लेकिन अगर आपका हाथ पिस्टल की पकड़ के पीछे है और आपकी उंगली ट्रिगर गार्ड के ऊपर है तो इस तरह से फायरिंग हर कोई नहीं कर सकता है। हालांकि, कई लोग इससे सहमत नहीं होंगे क्योंकि तालिबानी भी लड़ाके हैं और उन्होंने अपने सैनिकों को सिखाया होगा कि हथियारों को कैसे संभालना है।

जर्मन चुनावः अंगेला मैर्केल की विदेश नैतिक विरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने 16 सालों के कार्यकाल के दौरान अंगेला मैर्केल ने जर्मन विदेश नीति पर स्पष्ट छाप छोड़ी है. दुनियाभर के संकटों में जर्मनी की भूमिका तेजी से बढ़ी हैं, लेकिन उसी रफ्तार में चुनौतियां भी बढ़ी हैं.साल 2005 में जब अंगेला मैर्केल पहली बार चांसलर बनीं तो जर्मनी के बाहर मुश्किल से ही कोई जानता था कि वे कौन हैं. और शायद ही किसी ने सोचा था कि वे दुनिया की राजनीति को कितना बदल देंगी. हालांकि उन्होंने जल्द ही खुद को घरेलू और बाहरी मसलों में मजबूत किया. शुरुआत से ही वे विदेश मंत्री के जिम्मे काम छोड़ने के बजाए अपनी सरकार की विदेश नीति की खुद ही देखरेख कर रही हैं. 2007 में बाल्टिक तट पर बने हाइलिगेनडाम रिसॉर्ट में आयोजित जी8 शिखर सम्मेलन की मेजबान के तौर पर वे शुरुआत से ही दुनिया के सबसे प्रमुख राष्ट्राध्यक्षों और सरकार के प्रमुखों के साथ आत्मविश्वास से काम कर रही हैं. उस दौर को पीछे मुड़कर देखें तो वहां दुनिया की एक मुकम्मल तस्वीर बनती है. जर्मनी ने यूरो क्राइसिस के दौरान बढ़त बनाई हालांकि चांसलर बनने के बाद उन्हें जल्द ही संकट मोड में जाना पड़ा था, जब 2008 में वैश्विक वित्तीय संकट का दौर आया. यूरोपीय एकीकरण के सबसे मजबूत प्रतीकों में से एक यूरो पर दबाव बढ़ गया. मैर्केल ने चेतावनी दी, ठअगर यूरो फेल होता है तो यूरोप भी फेल हो जाएगाठ मैर्केल के कार्यकाल में यूरोपीय संघ में सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाले देश (जर्मनी) ने अनिच्छा से यूरोप का नेतृत्व किया. एक तरफ जर्मन सरकार ने कर्ज से दबे देशों पर कड़े आत्मसंयम और सुधार उपाय लादे, जैसे ग्रीस पर. इस कदम की आज भी कुछ आलोचक द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी के कब्जे से तुलना करते हैं. वहीं दूसरी ओर मैर्केल ने इन यूरोपीय देशों की भारी मदद भी जारी रखी. जिससे अन्य देशों के कर्ज के लिए जर्मनी की देनदारी बड़े स्तर पर बढ़ी।कुल मिलाकर बात यह है कि बाकी यूरोपीय संघ ने जर्मनी की नई नेतृत्व की भूमिका को स्वीकारा तो इसकी वजह भी मैर्केल का संवेदनशील व्यवहार रहा।

अशरफ गनी ने बताया क्यों और कैसे अफगानिस्तान से भागे, कहा- पैसे ले जाने के आरोप गलत, जांच को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व अफगान राष्ट्रपति अशरफ गनी ने अफगानिस्तान छोड़ने के बाद अपनी बात रखी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए अपना बयान रखा है। उन्होंने कहा है कि मैंने सुरक्षाबलों के कहने के बाद काबुल छोड़ा। मुझे बताया गया कि अगर मैं काबुल नहीं छोड़ता हूं तो एक बार फिर 1990 जैसे हालात हो सकते हैं। काबुल छोड़ना मेरे जीवन का सबसे मुश्किल फैसला था लेकिन मेरा मानना है कि लाखों लोगों को बचाने का यही एकमात्र तरीका था। मैंने 20 साल से अधिक से अफगानिस्तान में लोकतंत्र के लिए काम किया है। मैं कभी काबुल नहीं छोड़ना चाहता था। ये वक्त मेरे अफगानिस्तान छोड़े जाने के लंबे मूल्यांकन का नहीं है। मैं भविष्य में इस बारे में और विस्तार से बात करूंगा। अशरफ गनी ने आगे कहा है कि मुझे निराधार आरोपों का जवाब देना है। मुझ पर आरोप लगाए गए कि मैं काबुल से निकलते वक्त आम लोगों के करोड़ों रुपये ले गया। ये आरोप पूरी तरह से झूठे हैं। भ्रष्ट्राचार से लड़ना राष्ट्रपति के तौर पर मेरा प्रमुख मकसद रहा है।

अफगानिस्तान की मदद के लिए पाक ने बढ़ाया कदम, कहा- नई सरकार शांति के लिए काम करेगी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान ने बुधवार को अफगानिस्तान के लोगों के लिए भोजन और दवाओं सहित मानवीय सहायता भेजने की घोषणा की। इसके साथ ही पाकिस्तान ने उम्मीद जताई कि देश में नई अंतरिम सरकार लोगों की मानवीय जरूरतों को देखते हुए शांति के लिए काम करेगी। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'तीन सी-130 को अफगानिस्तान भेजा जा रहा है। हवाई मार्ग से पहली किश्त के तत्काल भेजे जाने के बाद आगे की आपूर्ति सड़क मार्ग से जारी रहेगी। बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान मौजूदा चुनौतीपूर्ण माहौल में अफगान भाइयों की मदद करने की पूरी कोशिश करता रहेगा। पाकिस्तान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी आग्रह किया है कि वह संभावित मानवीय संकटों को टालने के लिए अफगानिस्तान के लोगों की मदद करने में अपनी भूमिका निभाए। बुधवार को जारी एक अलग बयान में पाकिस्तान ने उम्मीद जताई कि अफगानिस्तान में नवगठित अंतरिम सरकार लोगों की मानवीय जरूरतों को देखते हुए शांति के लिए काम करेगी।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025